



अंक 7

जून - जुलाई, वर्ष - 22

सभापति

डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी

president@chaturvedimahasabha.in

सचिव

श्री मुनीन्द्रनाथ चतुर्वेदी

मोबा. 098711-70559

कोषाध्यक्ष

श्री महेशचन्द्र चतुर्वेदी

मोबा. 09868875645

संपादक सलाहकार मंडल

डॉ. कुश चतुर्वेदी, इटावा

पूर्व संपादक

संपादक

शशांक चतुर्वेदी

पत्र व्यवहार का पता:

'चतुर्वेदी चन्द्रिका', ई-8/जी2/255

गुलमोहर कॉलोनी, भोपाल

(मध्यप्रदेश)

मोबा. 9826086879

ई-मेल :

sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com

वेबसाइट : www.chaturvedimahasabha.in

मासिक पत्रिका चतुर्वेदी चन्द्रिका में प्रकाशित लेखकों में व्यक्त विचार संबंधित लेखक के हैं। उनसे संपादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का निबटारा भोपाल अदालत में किया जायेगा।

चतुर्वेदी चन्द्रिका

अपनों से मन की बात	16
संपादकीय	16
संपादक के नाम पत्र	17
श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा कार्यकारिणी बैठक	19
ब्लैक फंगस	22
बाल सुरक्षा	23
कोविड-19	24
कोरोना महामारी	25
कोरोना के बाद स्वस्थ	27
कोरोना	30
आयुर्वेद के अनुसार कोरोना के बाद का उपचार	32
कोरोना महामारी के दौर में बचाव और लक्षण	33
मनोबल ही समाधान	34
समाज समाचार	36
शाखा समाचार	37
शोक समाचार	42

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा

Account No. : 1006238340

IFSC Code : CBIN0283533

Branch : Central Bank of India
Anand Vihar, Delhi

पत्रिका पाँच वर्षीय तथा महासभा आजीवन सदस्यता शुल्क

1000 + 501 = 1501/-

महासभा सत्र + पत्रिका वार्षिक सदस्यता शुल्क-

101+ 251 = 352/-

प्रकाशक : मुनीन्द्रनाथ चतुर्वेदी, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के लिए स्पेसिफिक ऑफसेट, भोपाल से मुद्रित, संपादक शशांक चतुर्वेदी

सभी सदस्यों को पत्रिका डाक द्वारा भेजी जाती है। पत्रिका न मिलने की दशा में पत्रिका कार्यालय की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

अपनों से मन की बात

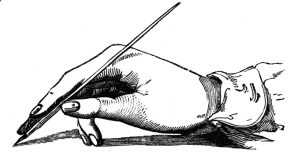


● डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी

Email : president@chaturvedimahasabha.in

बंधुवर पालागन, महासभा का सदा यह प्रयास रहा है कि समाज के प्रबुद्ध वर्ग को भी समान से जोड़ा जाए। महासभा के इस प्रयास के अंतर्गत हम लोगों ने समाज के प्रबुद्ध जनों से साक्षात्कार व चर्चा का एक नवीन प्रयास प्रारंभ किया है, जो कि प्रत्येक शनिवार को शाम को ऑनलाइन आयोजित किया जा रहा है। इसमें आप सब का सहयोग अपेक्षित है। समाज के व्यवसायिक वर्ग को भी एक मंच पर लाने का हम प्रयास कर रहे हैं। जिसमें युवा व स्थापित उद्यमियों, व्यवसायियों को एक मंच पर लाकर आपसी सामंजस स्थापित कर उन्हें समाज से जोड़ा जा सके। हमारे समाज की गौरवमई बौद्धिक दक्षता को देखते हुए शीघ्र ही चतुर्वेदी चंद्रिका का कवि अंक प्रकाशित करने की योजना है। जिसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित है। विगत समय में कोरोना महामारी के चलते हमने समाज में अनेक स्वजनों को खोया है। शायद ही ऐसा कोई बांधव होगा जिसका कोई अपना काल के गाल में ना समाया हो। अनेक स्वजनों के जाने से समाज में शोक की लहर है। हमारे अपने सुधीर जी (नोयडा), भूपेंद्र जी (आगरा), पी.के. चौबे जी (कोलकाता), मनोरंजन जी (गुड़गांव) श्रीमती नीति दिनकर राव (फरौली), श्रीमती आशा विजयशंकर (कानपुर), श्रीमती शारदा (नागपुर), श्रीमति मणि दीनानाथ पाठक (मुम्बई), श्रीमती मंजू जी माताजी ललित जी (आगरा), श्रीमती सुधा भुवनेश्वर जी माताजी राहुल जी (मैनपुरी), डॉ. मनोज जी (आगरा) को हमने खोया है। मैं संपूर्ण समाज की ओर से कोरोना काल में दिवंगत सभी बंधुओं को सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। कोरोना आपदा से पीड़ित बांधवों के सहयोग के लिए महासभा तत्पर है। आप सहयोग के लिए मुझसे या मंत्री मुनीन्द्र नाथ जी से सीधे संपर्क कर सकते हैं। अभी भी सतर्कता जरूरी है। आप सभी से निवेदन है कि यथासंभव घर में रहे, सतर्क रहें व शासकीय निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। बच्चों का ख्याल रखें। आप सपरिवार स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें। ऐसी प्रभ से कामना करते हैं।

संपादकीय



- शशांक चतुर्वेदी

आज मुझे जयशंकर प्रसाद जी की वह लाइने बरबस याद आती हैं कि
रूपा सुनहले तीर बरसती, जयलक्ष्मी सी उदित हुई।
उधर पराजित काल रात्रि भी, जल में अतर्निहित हुई।
वह विवर्ण मुख त्रस्त प्रकृति का, आज लगा हँसने फिर से।
वर्षा बीती, हुआ सृष्टि में, शरद विकास नये सिर से।

विगत तीन माह में हम लोगों ने बहुत बुरा समय देख लिया। अब फिर से जीवन युद्ध लड़ने के लिए तैयार होने की आवश्यकता है, और मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस जीवन युद्ध में हम लोग पुनः पूरी ताकत से खड़े होंगे और लड़कर उस पर विजय प्राप्त करेंगे। चंद्रिका के इस अंक में हम लोगों ने कोरोना संबंधित जानकारी हेतु हमारे समाज के कुछ मेडिकल विशेषज्ञ डॉक्टरों से निवेदन कर उनके आलेख प्रकाशित कर रहे हैं। हम उनके बहुत बहुत आभारी हैं जिन्होंने एक कम समय सीमा में भी समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए हमें पूर्ण सहयोग प्रदान किया। मेरे पास सुरक्षित लेखों का प्रकाशन आगामी अंको में किया जाएगा। जैसा कि हम सब जानते हैं कि कोरोना का हाल में हमने अपने किसी न किसी प्रियजन को खोया है। एक भय, चिंता, निराशा का भयावह वातावरण हम लोगों ने देखा है। इस काल में हमारे बहुत से बंधुओं ने अपनी जान की परवाह करे बगैर यथासंभव समाज में अपनी सहायता प्रदान की है, जो अनुकरणीय है। दिवंगत बांधवों की सूचना एकत्र करने के दुरूह कार्य में सहयोग के लिए मैं अभय राज जी (गुड़गांव), लोकेंद्र जी (गाजियाबाद), आशुतोष जी (कानपुर), संजय मिश्रा जी (कानपुर), आशीष जी (आगरा) व दिलीप जी (लखनऊ) का विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूँ। सभापति डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवम डॉ. कुश चतुर्वेदी (इटावा), भरत चतुर्वेदी (रिसड़ा) के सहयोग से शीघ्र ही चतुर्वेदी चंद्रिका का कवि विशेषांक प्रकाशित होने जा रहा है। जिसकी विस्तृत सूचना इस अंक में दी जा रही है। चतुर्वेदी चंद्रिका के इस अंक को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए श्री प्रदीप जी (आगरा), अभय जी (गुड़गांव), श्री दिलीप जी (लखनऊ) व नीरज जी (मैनपुरी) का बहुत बहुत आभार। मेरा आप सभी से निवेदन है कि कोरोना की लड़ाई का एक ही विकल्प है कि हम शीघ्र अपने व अपने परिवार व प्रियजनों को कोरोना रोधक टीका लगवा कर सुरक्षित करें। कोरोना की लड़ाई में विजय प्राप्ति हेतु अपने व अपने परिवार को टीका अवश्य लगावाएं।

संपादक के नाम पत्र

चतुर्वेदी चंद्रिका की माह फाल्गुन चैत्र की रोचक अंक प्राप्त हुआ। जहां एक ओर अंक में फाल्गुन के होली के गीतों ने अपने रंगों में सबको डुबाया होगा वहीं दूसरी ओर चित्रा जी द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगों की विशेष जानकारी मिली। सम्पादक जी होली के गुझा, टंडाई और पकवानों की कमी भी महसूस हुई। रोचक अंक के लिए बहुत बहुत आभार।

- श्रीमती प्रीति चतुर्वेदी, सिवनी

संपादक का यह अधिकार है कि वह क्या छापे और क्या नहीं व कितना छापे। इस पूर्ण अधिकार का सदुपयोग हो इसका ध्यान रहे। लोकगीत लुप्त होते जा रहे हैं, ध्यान रहे। हमने विनीता चौबे (भोपाल/ होलीपुरा) को अपना संपादक बनाया और अपने सारे अधिकार उन्हें सौंप दिए। रिकॉर्ड तोड़ने को बनते हैं। इसके लिए तुम्हें लंबी छलांग लगानी होगी। शुभाशीर्वाद।

- राजेंद्र नाथ चतुर्वेदी, रज्जन, संरक्षक,
महासभा (होलीपुरा, कोलकाता)

मार्च माह का होली अंक बहुत अच्छा प्रकाशित हुआ। इसमें चतुर्वेदी समाज में गाई जाने वाली अधिकतर होलियों का सम्मिश्रण है। होली के अवसर पर होली गायन चतुर्वेदी समाज की एक विशेष परंपरा है इसके लिए दूर-दूर से लोग अपने मूल गांव में एकत्र होते हैं। होलियों का इतना अच्छा संग्रह चतुर्वेदी चंद्रिका में प्रथम बार देखने को मिला। संपादक जी व उनकी टीम को बहुत-बहुत बधाई।

- अर्जुन सिंह चतुर्वेदी, फिरोजाबाद

सम्पादक जी पालागन। मार्च का अंक धतूरे से भी ज्यादा नशीला होने के साथ ही रंगीला बन पड़ा है, कोरोना के कारण फीकी पड़ रही होली को चंद्रिका ने लखनऊ, मैनपुरी, फरौली, सिकंदरपुर के साथ ही भदावर की होली का सजीव चित्रण ने मन को जीवंत कर दिया। फाग उत्सव में विभिन्न होलियों का चित्रण प्रशंसनीय है। गोत्र वरू की प्रशस्ति पढ़ कर बचपन में की बरातों की याद आ गई। महाशिवरात्रि, ब्रज संस्कृति, ज्योतिर्लिंगों का वर्णन पठनीय है।

- शुभांग सौरभ चतुर्वेदी, लखनऊ

प्रिय शंशाक, सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रहो, आपके आने से चंद्रिका में आशा से अधिक सुधार दिख रहा है। डा. कुश व विनीता जी जैसे साहित्यकार संपादक के बाद सारी शंकाओं को आपने निर्मूल साबित कर दिया है। राधाकृष्ण के मुखपृष्ठ के साथ फाग उत्सव में विभिन्न होलियों का सजीव वर्णन देखकर मन मयूर नृत्य करने के साथ ही रंगीला हो गया। भदावर, फरौली, मैनपुरी, हमारी ससुराल सिकंदरपुर खास की झलकियां एवं मेरी आज की ससुराल लखनऊ में होरी की गम्मदों का वर्णन पढ़ कर मन गुनगुनाने लगा - होरी हो ब्रजराज दुलारे। बहुत दिनों से तुम मनमोहन, फाग ही फाग पुकारे। फाग महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं। चंद्रिका के न आने से बहुत खालीपन लगता है।

- त्रिलोकी नाथ, कोलकाता

चतुर्वेदी समाज की जीवंतता उसकी दूरदर्शी पहल से लक्षित होती है। आज की सभा में अध्यक्षीय मंच से सर्वसम्मति से समाज के चहुंमुखी विकास के लिए निरंतर प्रयासों के साथ साथ प्रमुखतः दो विषयों को बहुत ही प्रेरणादायक ढंग से रखा गया तदर्थ साधुवाद। प्रथमतः सहायता के प्रबल समर्थन के साथ ही स्वावलंबन देने का भाव और चौबे ब्रांडिंग। द्वितीयतः परंपरागत पंडिताई विद्या को समाज हित में संरक्षण देने की सजग पहल। ऊषा बहनजी की साहित्यिक प्रयास प्रशंसनीय है। सभा के संरक्षक भाई भरत जी का स्वप्न "चलो गांव की ओर" संपूर्ण समाज के लिए अनुकरणीय रहा है। जिससे हम भविष्य में भी जड़ों से जुड़े रह सकेंगे। आदरणीय कमलेश जी के सुझाव व्यावहारिक हैं। तदनुसार ही वैवाहिक संवेदनशील मुद्दों में आगे बढ़ना उचित प्रतीत होता है। शुभ विवाह, अब संस्कार कम समझौते ज्यादा दिखने लगे हैं। आज कल पैकेज को देखकर रिश्ते हो रहे हैं। भावी पीढ़ी को गोत्र और बड़ों के नामों से परिचित कराना अनिवार्य प्रतीत हो रहा है। अतः शाखोच्चार किए जाने चाहिए। चतुर्वेदी चंद्रिका को शुभतर स्वरूप देने के लिए भाई शंशाक जी को शुभकामनाएं। मीटिंग का आनलाइन समयबद्ध व सफल संचालन के लिए भाई मुनीन्द्र जी व उनकी टीम बधाई की पात्र है।

- बीना मिश्रा, हैदराबाद

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह बिना किसी समाज के

रह नहीं सकता। उसको सबसे बड़ी सजा यही होती है कि उससे कोई बात ना करें। उससे कोई संबंध न रखें। आजादी के आंदोलन में भी कई क्रांतिकारियों को काले पानी की सजा दी जाती थी। अर्थात् उन्हें किलों या महलों की चारदीवारी के अंदर कैद कर दिया जाता था। हमारे समाज में भी उदंडता करने वालों या अनैतिक कार्य करने वालों परिवारों को जातीय समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता था। उससे समाज के सब रिश्ते समाप्त हो जाते थे हमारे पूर्वजों ने सभी परिवारों के हित में अपने गांव की संरचना की थी, ताकि हमारे परिवार सुरक्षित भी रहे। यदि हम इतिहास पर नजर डालें तो हमारे समाज के प्रत्येक गांव में संघर्ष कर अपने परिवारों को सुरक्षित किया है, अर्थात् लुटने से बचाया है। तरसोखर ग्राम वासियों ने सदैव भदौरिया ठाकुरों विशेषकर ठाकुरों से लड़ाई लड़ी है। उन्हें डरा कर रखा है। करौली ग्राम वासी सदैव लोगों से लड़ते रहे हैं। होलीपुरा वासियों ने गदर के समय लड़ाई लड़ी है। पुरा वासियों ने अपने घर परिवार में आई हुई डकैती के समय डकैतों को मार भगाया था। राजपूतों से मुट्टी भर लोगों ने विजय हासिल की थी। चंद्रपुर वालों ने मेवातियों से क्षेत्र को मुक्त कराया था। ऐसे ही सभी ग्राम वासियों ने अपने अस्तित्व के लिए वीरता का प्रदर्शन करते हुए अपने परिवारों की सुरक्षा की है। यह सब हम तभी कर पाएं, जब हम संगठित होकर रहते थे। मेरा यह सब उदाहरण देने का तात्पर्य है कि हम सब मिलकर एक स्थान पर रहें। यह सही है। हम मथुरा जैसे वैभवशाली नगर की सुरक्षा की दृष्टि से मथुरा से आकर राजस्थान, आगरा, भदावर आदि जिलों के ग्रामों में तथा मैनपुरी, इटावा शहर में आकर बस गए। हमारे समाज के गांव से पलायन हुआ। हम नगरों में बस रहे हैं। इसलिए समाज में यह संदेश दे रहा हूं कि हम नगरों में अन्य समाजों की नहीं अपनी कॉलोनी का निर्माण करें। वह एक स्थान पर रहे, ताकि संकट के समय हाली - बीमारी के समय एक दूसरे की सहायता कर सकें। देश में क्षेत्रवाद की भावना बढ़ रही है। हम सब समझदार हैं। मेरे सुझाव पर चिंतन करें वह अपने विचार पत्रिका के माध्यम से समाज को बतावे। बड़े शहरों की बंधुओं को इस विषय पर गहन चिंतन करने की आवश्यकता है।

- भरत चतुर्वेदी (भोपाल)

पूर्व सभापति, संरक्षक, महासभा

चतुर्वेदी चंद्रिका का मार्च अंक पढ़ा। बहुत रोचक जानकारी के साथ शिवरात्रि को समेटते है सभी मथुरान्त की होली को सुंदर वर्णन है। आपके सम्पादकत्व में चंद्रिका नित नई बुलन्दियों को स्पर्श करें इसी कामना के साथ।

- राहुल चतुर्वेदी, मैनपुरी

फाल्गुन /चैत्र - मार्च 2021 होली विशेषांक समय से प्राप्त हुआ। मुख्य पृष्ठ से आखिरी पृष्ठ तक सभी पृष्ठ मनोहारी लगे। सभापति द्वारा अपनों से मन की बात/ संपादक जी द्वारा बटेश्वर महाराज (काशी के समान - आशुतोष भगवान प्रभु ... लाइके बिराज हो , बटेश्वर के घाट पै॥ आ. कैलाश जी द्वारा लेख ब्रज संस्कृति और व्रंदावन बहुत ही अच्छा लगा। जिसमें ब्रज रज की महिमा बहुत ही सुंदर तरह से बताई गई है।

होली विशेषांक अनुसार समाज में गायी जाने वाली मनोहारी होरी राग अनुसार श्री लोकेंद्र जी - फ़रौली / फ़रोली की होली सौरभ जी / भदवार के लोकगीत भरत "अचल" जी , धमार - अशोक जी , लला फिर खेलन अइओ लखनऊ में होली सुबोध जी द्वारा, दिलीप सिकंदरपुरिया जी की होली की बयार , अम्बर पांडे जी द्वारा मैनपुरी की होली गायन और आदरणीय भरत जी द्वारा प्रस्तुत रसिया , विहाग , चाल , चलती , दीपचन्दी, लेद, पैड़ा, पीलू का प्रस्तुती करण सभी ने बहुत ही सुंदर तरीके से किया। साथ ही इस से भी ज्यादा सुंदर तरीके से भाई शशांक जी द्वारा इन सभी का संकलन कर प्रस्तुतिकरण बहुत ही सुंदर तरीके से किया गया है। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाय उतनी कम है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है भविष्य में भी ऐसे ही कई और विशेषांकों को देखने और पढ़ने को मिलते रहेंगे तथा हमारा मुखपत्र भी नित नये कलेवर में मिलता रहेगा।

- अभय राज चतुर्वेदी (गुरुग्राम)

सूचना

सभापति जी के निर्देश व डॉ.कुश (इटावा) व भरत जी (रिषड़ा) के सहयोग से समाज की प्रिय पत्रिका चतुर्वेदी चंद्रिका का सितम्बर माह का अंक हिंदी दिवस के अवसर पर कविता विशेषांक के रूप में प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया है। अतः समाज के सभी प्रबुद्ध कवियों से निवेदन है कि वे अपनी दो प्रतिनिधि रचनाओं के साथ सचित्र संक्षिप्त परिचय (नाम, मूल निवासी, प्रवासी, मोबाइल न., प्रकाशित कृति, सम्मान) यथाशीघ्र 25 जुलाई 21 तक भेजने की कृपा करें।

संपादक

Email ID:

sampadak.chaturvedichandrika@gmail.com

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा कार्यकारिणी बैठक

दिनांक 4 अप्रैल 2021 ऑनलाइन

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की कार्यकारिणी की बैठक 4 अप्रैल 2021 को शीतला अष्टमी (चैती आठे) के मंगल दिन ऑनलाइन आहूत की गई। सर्वप्रथम सभापति डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी ने कुलदेवीयों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। सभापति डॉ. प्रदीप जी की अनुमति से बैठक की कार्यवाही को प्रारंभ करते हुए मंत्री मुनीन्द्र नाथ जी ने ज्ञानेंद्र जी को मंगलाचरण हेतु आमंत्रित किया। जिसमें ज्ञानेंद्र जी ने ईश वंदना का सस्वर पाठ किया। तत्पश्चात मंत्री मुनीन्द्र नाथ जी ने विगत बैठक की कार्यवाही को सदन के समक्ष पृष्टि हेतु प्रस्तुत किया। जिसे सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया।

समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों व यशस्वी बाँधवों के सम्मान अलंकरण कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित बंधुओं के नाम के साथ उनका प्रशस्ति वाचन मंत्री मुनीन्द्र जी द्वारा किया गया। जिनके नाम निम्नानुसार हैं - श्री अविनाश चंद्र चतुर्वेदी (कानपुर), श्री अशोक चतुर्वेदी (फरीदाबाद), श्री धीरेंद्र चतुर्वेदी (कानपुर), डॉ. मनोज चतुर्वेदी (ग्वालियर), एयर कमोडोर गौतम चतुर्वेदी (नोएडा) व नवीन चतुर्वेदी (होलीपुरा)। आप सभी के समाज के प्रति योगदान व उपलब्धियों का विस्तृत वाचन किया गया। आप सभी को सम्मानित कर समाज गौरवान्वित है।

कार्यसूची के अनुसार चर्चा को आगे बढ़ाते हुए मनीष जी (कोटा) संयोजक, युवा प्रकोष्ठ ने युवा प्रकोष्ठ के भविष्य की योजनाओं को सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। आपने महासभा की कैलेंडर व गुल्लक योजना की सफलता पर बधाई दी। चतुर्वेदी चंद्रिका पत्रिका के होली विशेषांक के सुंदर संपादन व प्रकाशन हेतु बधाई दी व कहा कि यह एक संग्रहणीय अंक है। युवा प्रकोष्ठ की प्रथम बैठक 11 अप्रैल को ऑनलाइन आयोजित करने की मनीष जी ने घोषणा की। उषा जी (भोपाल) संयोजक, महिला प्रकोष्ठ ने महिला प्रकोष्ठ की योजनाओं के बारे में बताया कि कोरोना काल के बाद राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं का सम्मेलन आयोजित करने का विचार है। महिला साहित्यकारों की जूम पर एक गोष्ठी करने की योजना पर भी हम कार्य कर रहे हैं। जिसे शीघ्र मूर्त रूप दिया जाएगा। आपने महिला प्रकोष्ठ हेतु चतुर्वेदी चंद्रिका में एक पेज आवंटित करने का प्रस्ताव किया। जिस पर सभापति प्रदीप जी ने कहा कि इस तरह पृष्ठ आवंटन नहीं किया जा सकता। प्रकाशन सामग्री के प्रकाशन पर अंतिम निर्णय संपादक का होता है। आप अपना समाचार

भेजिए जगह की उपलब्धता के आधार पर आपका समाचार प्राथमिकता से प्रकाशित किया जाएगा।

डॉ. अरविंद जी (दिल्ली), संयोजक, चिकित्सा प्रकोष्ठ ने कहा कि हम इस महामारी के काल में यथासंभव समाज सेवा हेतु सहयोग देने के लिए तत्पर हैं। आईटी प्रकोष्ठ के प्रसून जी ने महासभा की साइट पर जनगणना, व्यवसाय सेवा संबंधी कार्यों व अन्य कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। जिस पर ललित जी (लखनऊ) अंशुमान जी (जयपुर) ने विचार व्यक्त किए।

सभापति डॉ प्रदीप जी ने कहा कि महासभा के सहयोग से व्यक्तिगत छात्रवृत्ति देने संबंधी सूचना का प्रारूप बनाकर प्रेषित करें। जिसे पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा। प्रकाशन हेतु सामग्री 1 माह पूर्व व समय पर भेजें। जिससे इसका प्रकाशन सुविधानुसार आगामी अंक में हो सके। अपने स्टार्टअप प्रोजेक्ट व लघु या कुटीर उद्योग संबंधी व्यवसाय की रूपरेखा का बजट बनाकर दें। जिस पर कार्यकारिणी में चर्चा कर उसके क्रियान्वयन पर कार्य किया जाएगा।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए संजय मिश्रा (कानपुर) ने कहा कि कानपुर में चिकित्सा प्रकोष्ठ अच्छा कार्य कर रहा है। इसी तरह हर शहर में चिकित्सा प्रकोष्ठ बनाया जाए। जिसे महासभा के राष्ट्रीय चिकित्सा प्रकोष्ठ से जोड़ दिया जाए। मनोज जी (बंगलुरु) ने बंगलुरु चतुर्वेदी समाज की सामाजिक गतिविधियों के बारे में अपने विचार रखें। कोषाध्यक्ष महासभा महेश जी ने बताया कि वर्तमान में 36 लोगों को विभिन्न मदों में रुपये 2,00,700.00 (रुपए दो लाख सात सौ रुपये) की सहायता प्रति तिमाही दी जा रही है।

एक प्रश्न के उत्तर में सभापति डॉ. प्रदीप जी ने बताया कि विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने हेतु एक सादे कागज पर आवेदन बनाकर भेज सकते हैं। जिसके साथ आधार कार्ड और बैंक की पासबुक की छायाप्रति आवश्यक रूप से संलग्न करें। मंत्री मुनीन्द्र जी ने बताया कि अभी तक प्राप्त सभी आवेदनों को स्वीकार कर सहायता दी जा रही है।

आदरणीय भरत जी (भोपाल) ने विवाह निराकरण समिति की ओर से ग्वालियर के एक केस के संबंध में बताया। इसके साथ आप ने कहा कि ऐसे कार्य में शाखा सभाओं के अध्यक्ष व सचिव को साथ लिया जाना चाहिए। कोई भी मध्यस्थता करने की बात कर सकता है। कोर्ट में मध्यस्थ के द्वारा बात

कराई जाती है। इसका संवैधानिक प्रावधान भी है, तो यह मध्यस्थता का कार्य महासभा के द्वारा किया जाए तो उचित रहेगा।

सभापति डॉ. प्रदीप जी ने कोटा, ग्वालियर संबंधी केस में ग्वालियर सभा, डॉ. मनोज जी, अभिषेक जी व उनके साथियों के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। समाज की ओर से ग्वालियर सभा, डॉ. मनोज जी व अभिषेक जी का आभार व्यक्त किया गया।

मंत्री मुनींद्र जी ने कहा कि सम्मान व अलंकरण समिति द्वारा महासभा की हर बैठक में उक्त शहर, गांव व निकटवर्ती जगहों के समाजसेवियों का सम्मान किया जाता है। कार्यकारिणी के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि इसकी जानकारी हम तक पहुंचाने की कृपा करें। मनोज जी (बेंगलुरु) ने कहा कि समाज के गाँव के उद्धार हेतु सहयोग प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

मंत्री मुनींद्र जी ने बताया कि महासभा द्वारा प्रथम बार सम्बद्ध सभाओं/शाखा सभाओं को संबद्धता प्रमाण पत्र वितरित किए गए हैं। जिसका उपयोग कर दिल्ली सभा द्वारा अपना बैंक खाता खुलवाया गया है।

सभापति प्रदीप जी ने जनगणना योजना के बारे में बताया कि अभी तक हमारे पास लगभग 3000 परिवारों का डाटा आ चुका है जिसकी जांच की जा रही है। दोहराव से बचाकर डाटा को विश्वसनीय बनाने का प्रयास किया जाएगा। यह भी प्रयास किया जाएगा कि पुनरावृत्ति की संभावना न्यूनतम हो। महासभा द्वारा प्रथम प्रयास के तहत एक कैलेंडर का प्रकाशन किया गया। जिसका समाज के द्वारा भरपूर सहयोग व समर्थन प्राप्त हुआ। जो उत्साहवर्धक था। अतः अब आगामी वर्षों में अलग-अलग विषयों पर आधारित कैलेंडर का प्रकाशन किया जाएगा। जिसके लिए आप सभी के सुझाव आमंत्रित हैं। इसमें समाज की गुरुजनों से पंचांग व धार्मिक त्योहारों की जानकारी को भी प्रकाशित किया जाएगा।

गुल्लक योजना के अंतर्गत हमारा विचार यह था कि इस कामधेनु गाय को हम समाज के प्रत्येक घर के पूजा घरों में स्थापित करें। जिसमें परिवार में होने वाले मांगलिक अवसरों पर दी जाने वाली राशि को एकत्र किया जाए तथा वर्ष में दो बार यह राशि को गुल्लक से निकालकर महासभा के प्रदत्त खाते में हस्तांतरित कर दिया जाए। इस पर अभयराज जी (गुड़गांव), संजय मिश्रा जी (कानपुर), ज्ञानेंद्र जी (नागपुर), भुवनेश जी (गोंदिया), उषा जी (भोपाल), मनोज जी (बेंगलुरु), दिलीप जी (लखनऊ), प्रवेश जी (कानपुर) ने अपने विचार सदन के समक्ष रखे।

मंत्री मुनींद्र जी ने बताया कि अन्नपूर्णा योजना के अंतर्गत

लाभान्वित महिलाओं व परिवारों को स्वावलंबी बनाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं इस पर सभापति जी डॉ. प्रदीप जी ने बताया कि महिलाओं को घरेलू रोजगार हेतु प्रेरित किया जाएगा। जिसमें घर पर रहकर परिवार की देखभाल भी की जा सके व जीविकोपार्जन का कार्य भी किया जा सके। घरेलू कुटीर उद्योग के अंतर्गत इसकी ब्रांडिंग, उत्पादन व वितरण में आर्थिक व अन्य आवश्यक सहयोग दिए जाएंगे। इसमें लाभार्थियों व समाज की अन्य महिलाओं को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए सभापति प्रदीप जी ने कहा कि मांगलिक कार्य हेतु गुरुजनों की उपलब्धता व मार्गदर्शन हेतु एक पैनल बनाया जाएगा। उन से चर्चा के उपरांत उपलब्धता के बारे में, समय, शुल्क व अन्य समस्याओं का भी निराकरण कर समय के अनुसार नया स्वरूप निर्धारित किया जाएगा। गुरुजनों से महासभा, पत्रिका को जजमान द्वारा निकाले जाने वाले रूपों के संबंध में विचार विमर्श किया जाएगा। जिससे उक्त राशि महासभा के खाते में सरल रूप से स्थानांतरित की जा सके। इस विषय पर अभयराज जी (गुड़गांव), शशांक जी (भोपाल), अभिषेक जी (ग्वालियर), बीना जी (हैदराबाद), आशुतोष जी (कानपुर) ने अपने तर्क सम्मत विचार सदन के समक्ष रखे। जिस पर सभी ने गंभीरता पूर्वक विचार करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। बीना जी (हैदराबाद) ने यह भी कहा कि हम इस समस्या की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो हम वह हमारे भविष्य की पीढ़ियां गुरु विहीन हो जाएंगी। साथ ही अपने गुरुजनों के बच्चों को कर्मकांड की शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति देने पर विचार करने का प्रस्ताव भी किया। इस पर अंशुमान जी (जयपुर) ललित जी (लखनऊ) ने अपने विचार रखे।

तदोपरान्त सभापति प्रदीप जी ने महासभा की वेबसाइट के विस्तार व संवर्धित करण के बारे में विस्तार से बताया इसमें समाज के लेखकों की किताबों का अंकीकरण (डिजिटलीकरण) द्वारा निश्चित प्रारूप में कराया जाएगा। पुरानी पत्रिकाओं को संग्रहित कर अंकीकृत कराया जाएगा। वह पत्रिका एक निश्चित शुल्क पर समाज को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही आपने बताया कि ग्रामों में मंदिरों के जीर्णोद्धार के कार्यक्रम जोर शोर से चल रहे हैं। इसके लिए ग्रामवासियों के सहयोग व सहमति से क्रियान्वयन आवश्यकता अनुसार किया जाएगा।

तत्पश्चात मंत्री मुनींद्र जी ने बताया कि विगत बैठक से आज तक महासभा के 12 आजीवन सदस्य बने हैं। इस सदस्यता सूची के प्रस्ताव को सदन ने सहमति देकर पुष्टि प्रदान की। चतुर्वेदीयों के ग्राम फरौली में दिनांक 30 जून 2021 को मंदिर की 50 वीं जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का

आयोजन किया जाना है। जिसके लिए ज्ञानेंद्र जी (फरौली/नागपुर) ने सभी को मनुहार के साथ आमंत्रित किया। इसके बाद उषा जी (भोपाल), प्रवीण जी (हैदराबाद) ने अपने विचार रखे।

चतुर्वेदी चंद्रिका के संपादक शशांक जी ने बताया कि पत्रिका को स्वावलंबी बनाने के लिए सभापति प्रदीप जी, मंत्री मुनीन्द्र जी, महेश जी का आवश्यक सहयोग मिल रहा है। इसी क्रम में महासभा संरक्षक सतीश जी व दिलीप जी (जलगांव) का भी सतत सहयोग प्राप्त हो रहा है। साथ ही दिलीप जी (लखनऊ), प्रदीप जी, लालन (आगरा), भुवनेश जी (गोंदिया) का सहयोग भी सराहनीय है। अन्य सभी से भी सहयोग की अपेक्षा है। मेरे अग्रज पूर्ववर्ती संपादक कुश जी व भरत जी (रिषड़ा) का भी समय समय पर मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सभी कार्यकारिणी सदस्यों से निवेदन है, कि पत्रिका को स्वावलंबी बनाने के लिए वर्ष में सिर्फ एक कलर विज्ञापन प्रदान करें या प्रदान करवाने में सहयोग करें। चतुर्वेदी पत्रिका आपकी अपनी है व आपका सहयोग आवश्यक है। माँ महाविद्या देवी मंदिर में आवश्यक सुधार कार्य करवाए जाने के विषय में सदन को जानकारी देते हुए राकेश जी (मथुरा) ने उक्त कार्य के खर्च का विस्तृत विवरण भी सदन के समक्ष प्रस्तुत किया।

अभय राज जी (गुड़गांव) ने विवाह संबंधों में माता-पिता द्वारा अपनाए जा रहे नए चलन को सभी के सम्मुख रखा। डॉ. कुश ने बताया कि बच्चों का जन्म आजकल चिकित्सीय की सहयोग से शुभ मुहूर्त दिखाकर हो रहा है, तो ऐसे समय में जन्म कुंडली का मिलान का विषय विचारणीय है। पत्रिका के निखरते स्वरूप व प्रकाशन सामग्री में उत्कृष्टता के लिए हार्दिक बधाई। होली अंक उत्कृष्ट कृति बन संग्रहणीय बना है। हम बच्चों व परिजनों को लेखन हेतु प्रोत्साहित करें। पत्रिका हेतु आर्थिक सहयोग आवश्यक रूप से करें। प्रदीप जी को बहुत-बहुत बधाई। मंत्री मुनीन्द्र जी ने सभी से ऑनलाइन बैठक हेतु इस मंच के उपयोग के तरीके व उपलब्धता पर प्रकाश डाला।

डॉ सतीश जी नागपुर संरक्षक महासभा ने युवाओं के रोजगार पर ध्यान देने की बात कही। आपने कहा कि अपने ग्राम होलीपुरा में बैठक में जाने का बड़ा मन था। बड़ा उत्साह भी था। पर परिस्थिति के अनुकूल ऑनलाइन विकल्प भी सराहनीय है। कोरोना के स्वरूप व समय के अनुसार परिस्थिति की बड़ी अनिश्चितता है। भविष्य में जल्द ही होलीपुरा में बैठक का आयोजन होगा। जन भावना के अनुरूप मेडिकल कोर्स आज के समय की आवश्यकता है। भविष्य के लिए आप सभी को शुभकामनाएं।

तदुपरांत निवर्तमान सभापति व संरक्षक कमलेश पांडे जी ने कहा कि महासभा द्वारा लाभार्थी परिवारों को स्वावलंबी

बनाया जा सके तो यह हमारी सफलता होगी। गांव में मंदिरों का जीर्णोद्धार करने में गांव के लोग स्वयं सक्षम हैं। मंदिर समाज का है या व्यक्तिगत यह पहले तय कर ले। विवाह संबंधी समस्या पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। कोर्ट कचहरी के उपरांत घर वापसी मुश्किल होती है।

इसके लिए समाज में परामर्श (काउंसलिंग) की आवश्यकता है। सभी मंचों पर इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए। तत्पश्चात भरत जी (भोपाल), पूर्व सभापति ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सभी प्रकोष्ठ अपने कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर क्रियान्वयन का प्रयास करें। कैलेंडर प्रकाशन व गुल्लक योजना कार्यक्रम की सफलता के लिए सभापति प्रदीप जी को बधाई। अनेक ग्रामों में मंदिरों के जीर्णोद्धार व घरों की मरम्मत के कार्य हो रहे हैं। यह अच्छे संकेत हैं। हर तीन माह में प्रकोष्ठों की नियमित बैठक हो। डॉ. अरविंद जी (दिल्ली) ने कहा कि आवश्यकतानुसार महासभा के चिकित्सा प्रकोष्ठ का विस्तार किया जाएगा।

अपने अध्यक्षीय भाषण में सभापति प्रदीप जी ने कहा कि जन भावनाओं के मद्देनजर कोरोनावायरस के रोकथाम के उपरांत शीघ्र ही होलीपुरा में कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया जाएगा। समाज में सभी से निवेदन है कि उपरोक्त तिथियों में गुल्लक में एकत्रित राशि महासभा को हस्तांतरित करने का कष्ट करें। आवश्यकता अनुसार लाभार्थी परिवारों को स्वावलंबी बनाने के प्रयास किए जाएंगे। भरत जी (रिषड़ा) के नेतृत्व में स्मारिका के प्रकाशन के लिए महासभा इतिहास संबंधित प्रकाशन सामग्री भेज कर सहयोग करें। यह सामग्री भरत जी (रिषड़ा), मुनीन्द्र जी (नोएडा) शशांक जी (भोपाल) को भेजी जा सकती है। संपादक शशांक जी से अनुरोध है कि चंद्रिका के लिए विभिन्न विशेषांकों की तैयारी करें व प्रकाशन करें। प्रसून जी, उषा जी, मनीष जी के प्रकोष्ठों की सक्रियता व मेडिकल प्रकोष्ठ में समाज की सहभागिता के लिए हम प्रयास करेंगे। डॉ. कुश जी के प्रस्ताव धर्म व कर्मकांड शिक्षा में छात्रवृत्ति पर भी विचार किया जाएगा। इसी के साथ गुरुजनों की समस्या व आवश्यकता अनुसार सहयोग हेतु एक योजना बनाई जाएगी।

मंत्री मुनीन्द्र जी ने बैठक में उपस्थित होने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक के सफल आयोजन व उत्साह वर्धक उपस्थिति हेतु संपूर्ण टीम का भी आभार व्यक्त किया गया। विगत समय में दिवंगत बंधुओं को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित कर सभा का समापन किया गया।

विवरण प्रस्तुति :-

- मुनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी, सचिव, महासभा)

- शशांक चतुर्वेदी (संपादक, चतुर्वेदी चंद्रिका)

ब्लैक फंगस



- डॉ. मलय चतुर्वेदी, काणपुर

RHINO ORBITO CEREBRAL MUCOR
MICOSIS (ROCM: रोसीऍम)

कोविड महामारी की दूसरी लहर जब अपने उतार पर आने लगी तो हम लोगों का सामना एक ऐसी बीमारी से हुआ जिसको अत्यंत दुर्लभ माना जाता रहा है। इसे आम बोलचाल की भाषा में काली फंगस नाम से हम जानने लगे और बड़ी तेजी से इसने एक महामारी का स्वरूप धारण कर लिया है। २२ मई की एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक ८८४८ मरीजों में काली फंगस बीमारी पाई जा चुकी है। जैसा की नाम से पता चलता है ये बीमारी का कारक एक प्रकार की फफूंद होती है। यह कई प्रकार की होती है यथा MUCOR अर्थात् काली फंगस, अथवा ASPERGILLUS अर्थात् सफेद फंगस प्रमुख हैं। प्रायः देखने में आता है जब हम बहुत गरम गरारे करते हैं या गर्म भाप लेते हैं तो ये नाक की मुकोसा में सूजन उत्पन्न कर सकता है।

म्यूकर एक मृतोपजीवी परजीवी है। यह हमारे शरीर में एक सहजीवी की तरह पाया ही जाता है किन्तु बीमारी उत्पन्न नहीं करता है। जब हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है तो यह एक गंभीर बीमारी का रूप धारण कर लेता है। रोसी-ऍम की शुरुआत प्रायः नाक से होती है जब यह सर्वप्रथम नाक की अंदरूनी सतह (MUCOSA) में सूजन होने से एक चकत्ते के रूप में दिखाई देने लगता है।

एक बार नाक में जब बीमारी शुरू होती है तो फिर तेजी से ये अर्बिट (सर का वो हिस्सा जिसमें आँखें अवस्थित होती हैं), नाक के साइनस और दिमाग तक फैलने लगती है और इसी कारण से इसे घातक बीमारी माना जाता है।

लक्षणः प्रायः मरीजों में खखारने पर रक्त रंजित स्राव आना, आँख के निचले या ऊपर के हिस्से में सुन्न हो जाना या सूजन आना या दो दिखना, या आँख का बाहर निकलना

इस बीमारी के प्रमुख लक्षण है।

यह बीमारी उन मरीजों में पाई जाती है जो लम्बे समय तक अस्पताल में रहे हों, जिन्हें लम्बे समय तक और अधिकता से STEROID दिए जाने पड़े हों, जो अनियंत्रित मधुमेह से ग्रसित हों या जिनको आर्गन ट्रांसप्लांट किया गया हो।

ज्ञातव्य है की म्यूकर किसी चलते फिरते स्वस्थ व्यक्ति को नहीं हो जाता. यह भी सही नहीं है कि अगर म्यूकर हो जाये तो आँख को निकालना ही पड़ेगा. जैसे जैसे हम इस बीमारी के बारे में ज्यादा जानने लगे है हमारी यह कोशिश है कि हम कैसे आँखों और रौशनी को बचा सकें।

यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि हम बीमारी को कितनी जल्दी पहचान लेते हैं। जितनी जल्दी हम इलाज आरम्भ करेंगे उतना ही आँखों और दृष्टि संरक्षण की सम्भावना ज्यादा रहती है। बीमारी को जल्दी पहचानने के लिए आवश्यक है की हम बीमारी के लक्षणों को भली भाँति पहचान लें और यदि शंका हो तो तुरंत अपने चिकित्सक से परामर्श ले और आवश्यकतानुसार जांचे औए इलाज करें।

अगर अपने मरीज का मधुमेह अनियंत्रित है तो उसे उचित उपचार से नियंत्रित करना चाहिये. STEROID एक अतिउपयोगी औषधि है इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए. अगर काली फंगस रोग की आशंका हो तो इस की जांच में और इलाज में देरी नहीं करनी चाहिए. अगर कोविड की बीमारी के दौरान आक्सीजन देना पड़े तो आक्सीजन के बर्तन में डिस्टिल वाटर का प्रयोग करना चाहिए। हमें रोग के बारे में सही जानकारी प्राप्त करनी चाहिए. जो जानकारी हमारे पास आती है उसकी उत्पत्ति के बारे में पड़ताल अवश्य कर लें. कुछ अधिकारिक सूचनाएँ।

Centers for Disease Control and Prevention या <https://mohfw.gov.in/>

<https://www.cdc.gov>

इत्यादि अधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जासकती हैं.

म्यूकर ही नहीं किसी भी आपात स्थिति मे यही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है की घबराएँ नहीं। अगर हमारे प्रयास सम्यक होंगे तो हमारे सफल होने की सम्भावना स्वतः ही बढ़ जाती है।

बाल सुरक्षा



- डॉ. निखिल चतुर्वेदी, आगरा

कोविड-19 का नाम सुनते ही हर जन, बच्चा भयभीत और चिंतित हो जाते हैं। इन विगत कुछ समय में सभी ने अपने किसी ना किसी स्वजन को खोया है या वह अभी भी किसी बीमारी से जूझ रहा है। आजकल खबर है कि तीसरी लहर आने वाली है, सितंबर अक्टूबर माह में, यह एक अनुमान है। हमारे देश व राज्यों की सारी सरकारें और उनके हॉस्पिटल, डॉक्टर्स, निजी प्रतिष्ठान सभी इसको रोकने की तैयारी में लगे हैं। जरूरी नहीं है कि तीसरी लहर आये। यह सिर्फ एक अनुमान है। चाहे यह अनुमान भेड़िया आया भेड़िया आया ही निकले। पर इसका लाभ हमारे देश के भविष्य, हमारे बच्चों की स्वास्थ्य सेवा को बेहतर करने में मिलेगी। इससे हमारे देश में बच्चों की स्वस्थ सेवाएं सुधारने में मदद मिलेगी। जो कि शिक्षा के बाद भी उपेक्षित क्षेत्र है। यह क्षेत्र हमेशा उपेक्षित रहा है। जिससे दूसरी लहर की तरह स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रशासनिक तंत्र के असफल होने की आशंका है। ईश्वर करे यह न हो। हम सब इसका प्रयास कर रहे हैं। 19 वर्ष से कम उम्र के बच्चे जो कि अनुमानतः पूरी आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा है। हाँ अभी उनके लिए टीका उपलब्ध नहीं है। पर प्रयास जारी है। उनके लिए उपलब्ध नहीं है, इसलिए उनको बचाव ही एक मात्र रास्ता है। प्रिवेंशन इज बेटर देन क्योर।

इसके लिए कुछ सावधानियां

1. बच्चों को ज्यादातर यह एक आम वायरल की तरह होगा और साधारण दवा से काम चलेगा, जैसे पेरासिटामोल। पर कुछ बच्चे चार से 6 हफ्ते के अंदर गंभीर रूप से बीमार हो जाएंगे। जिन्हें हम एम.आई.एस.सी कहते हैं। उनको हॉस्पिटल की आवश्यकता होती है। इसमें ध्यान रखें अगर 3 दिन

2. तक तेज बुखार, उल्टी दस्त, शरीर पर दाने हो तो डॉक्टर की सलाह लें और जांच करवाएं।
2. **मास्क** : 5 वर्ष के ऊपर वाले बच्चों को मास्क पहनाना व सोशल डिस्टेंसिंग करवाना ही एकमात्र उपाय है।
3. यह एक एरोसोल है, इसलिए वेंटिलेटेड या हवादार घर जरूरी है। अर्थात खुला हुआ घर या वातावरण लाभकारी है।
4. वातानुकूलित (ए.सी.) का प्रयोग कम से कम करें। संभवतः ना करें तो उचित होगा।
5. इम्यूनिटी बूस्टर दवाइयां और विटामिन सी का सेवन करें। पानी की भाप का यथसम्भव उपयोग करें।
6. फल, सब्जी, घर का पका शुद्ध खाना खाये व खिलाए।
7. भीड़भाड़ वाले माहौल से बच्चों को दूर रखें।
8. घर का माहौल खुशनुमा रखें कोविड की चर्चा घर में ना करें। न्यूज़ हर समय ना देखें। इसका बच्चों पर गलत असर पड़ता है।
9. सात वर्ष के नीचे के बच्चों में शारीरिक और मानसिक प्रभाव देखे गए हैं, और उसके ऊपर के बच्चों में मानसिक प्रभाव देखे गए है। इसलिए बच्चों को सकारात्मक व रचनात्मक (क्रिएटिव) कार्यों व खेलों की ओर प्रेरित किया जाय। आंतरिक (इंडोर) खेलों का अधिक से अधिक उपयोग करें।
10. विदेशों में 12 से अधिक उम्र के बच्चों को टीके लगाने लगे हैं। कुछ जगह 6 से 12 वर्ष के बच्चों का ट्रायल हो चुके हैं। हमारे देश में कोरोना वैक्सीन का ट्रायल चल रहा है। जब तक हम बच्चों को टीका नहीं लगवाते या वैक्सीनेट नहीं कर लेते। हमारे बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। हेड वायरस असंभव है।

प्रारंभिक लक्षणों के दिखने पर अपने डॉक्टर से परामर्श अवश्य करें। यह आवश्यक है। हमारे अबोध व नाबालिग बच्चों की जिम्मेदारी हमारी है। इनका स्वयं उपचार के पूर्व एक बार डॉक्टर से सलाह अवश्य लें। अपने को व अपने परिवार को कोविड की रोकथाम के टीका आवश्यक रूप से लगवाए। एक ही इसके बचाव का उपाय है।

कोविड-19



- डा० अशोक चतुर्वेदी (रि. निदेशक, स्वास्थ्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश), लखनऊ

Corona Virus रोग एक नये विषाणु (virus) SARS COV-2 (severe acute respiratory syndrome corona virus - 2) द्वारा होता है। यह एक नया Virus है। यह RNA virus है तथा किसी मनुष्य के नाक अथवा गले की कोशिकाओं के सम्पर्क में आकर उस पर fix होकर क्रियाशील हो जाता है। इस रोग का पहला रोगी वर्ष 2019 में मिला था, इसलिए इस रोग को covid-19 कहा जाता है।

WHO द्वारा 11 March 2020 में इस रोग को सर्वव्यापी महामारी घोषित किया गया।

रोग के फैलने के तरीके -

- 1) छींकने, खाँसने से मुँह से निकले वाले संक्रमित saliva की droplet द्वारा
- 2) छींकने, खाँसने व बात करते समय मुँह अथवा नाक से निकले aerosol discharge द्वारा
- 3) Droplet of saliva के किसी सतह पर पड़ने के उपरांत यदि हमारा हाथ उस सतह पर पड़े तथा उस हाथ को हम अपने मुँह अथवा नाक पर लगाये।

रोग की रोकथाम :

- 1) नियमित मास्क पहनना।
 - 2) दो मनुष्यों के बीच 6 से 10 फीट की दूरी बनाए रखना।
 - 3) हाथ को साबुन से धोकर अथवा Sanitizer द्वारा स्वच्छ रखना।
 - 4) अपने नाक, मुँह अथवा आँख नहीं छूना।
 - 5) किसी रोगी के सम्पर्क में आने पर स्वयं को 14 दिनों के लिए isolate करना।
- किसी रोगी से सम्पर्क में आने के बाद लक्षण 2 से 14 दिनों में आते हैं, इसलिए 14 दिनों के लिए isolate किया जाता है।

लक्षण : रोगी लक्षणरहित अथवा लक्षणसहित हो सकते हैं। लक्षणरहित रोगियों द्वारा संक्रमण ज्यादा फैलता है क्योंकि मरीज व सामने वाले को संक्रमण की जानकारी नहीं होती है।

रोग के लक्षण : 1) बुखार इस रोग का पहला तत्क्षण है

- 2) गले में खराश
- 3) स्वाद अथवा सूंघने की शक्ति का क्षीण होना
- 4) सिर में अथवा शरीर में दर्द
- 5) उल्टी अथवा दस्त

गंभीर रोग के लक्षण :

- 1) तीव्र ज्वर
- 2) श्वास गति का बढ़ना
- 3) सीने पर दबाव अथवा दर्द
- 4) खासी, थकान, अधिक दस्त होना
- 5) spo2 का स्तर 90 के नीचे आना

रोकथाम : 1) शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना

- 2) पौष्टिक भोजन
- 3) योगा , प्राणायाम, मेडिटेशन
- 4) अपने आप को तनाव, अवसाद, निराशा से दूर रखना।
- 5) टीकाकरण रोकथाम के लिए सबसे आवश्यक है।

उपचार : Mild and moderate लक्षण होने पर घर पर ही Well ventilated कमरे में स्वयं को अन्य लोगों से अलग रखे।

- 1) पेय पदार्थों का सेवन अधिक करे।
- 2) कमरे को स्वच्छ रखे एवं Sanitize करते रहे।
- 3) चिकित्सक की सलाह के अनुसार औषधियों का सेवन करते रहे।

4) एस.पी.ओ.2 लेवल कम होने पर पेट के बल लेटकर लम्बी सांस लेने से एस.पी.ओ.2 लेवल बढ़ जायेगा। गंभीर लक्षण होने पर चिकित्सक के परामर्श के अनुसार उपचार कराएं।

Isolation से कब बाहर निकल सकते हैं :

- 3 दिन से बुखार न होना ।
- श्वास से संबंधित कोई लक्षण न होना।
- पहले लक्षण आने के दस दिन उपरांत अथवा कोविड की दो जांच जो कम से कम 24 घंटों के अंतर पर हुए हो तथा दोनो ऋणात्मक हो।



कोरोना महामारी



- डॉ. अनिल चतुर्वेदी, चेयरमैन
पिवेंटिव हेल्थ जीवन-शैली रोगी
गोयल अस्पताल यूरोलॉजी सेंटर

E Mail : dranilchaturvedi@gmail.com

महामारी कोरोना के कहर के साक्षी दुनिया में कोहराम मचा हुआ है। विश्व के सर्व शक्तिशाली देश संयुक्त राज्य अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था भी इस कहर की चपेट में चरमरा गई जहाँ स्वास्थ्य बजट लगभग 15 ट्रिलियन है लगभग यही हाल ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, स्पेन तथा अन्य यूरोपीय देशों का रहा जहाँ मौत, मरघट और मातम का मंजर दिल दहलाने वाले था। हमारे प्रिय स्वजन भी अनायास ही असमय अल्पायु में कोरोना के कारण काल के गाल में समा गये। इस आकस्मिक महामारी के आपदा में हमारे समाज को भी झकझोर दिया इस चिकित्सा सेवा से जुड़े लोग भी अनिश्चितता के इस मंजर को असहाय किंतु सेवा, संयम सदाचार की साधना में निरंतर योद्धा की तरह डटे रहे। इसी आशा और विश्वास के साथ यह दौर भी गुजर जाएगा। विश्वव्यापी महामारी कोरोना कोविड एक संक्रमण रोग है जो कोरोना वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है रोगी के सामने या पीछे खाँसने, तेज बोलने से कोरोना वायरस युक्त छोटी-छोटी बूँदें जिन्हें ड्रॉपलैडस कहते हैं निकलती हैं तथा सामनेवाले व्यक्ति के सांस लेते समय रोग स्वस्थ व्यक्ति को हो गया है। तेज बोलनेवाले लगभग 4 हजार ड्रॉपलैड, खाँसते समय 2 हजार ड्रॉपलैड तथा छींकते समय 2.5 हजार ड्रॉपलैड वातावरण में निकालते हैं। शोध से ऐसा ही पता चला है कि बहुत जोर से खाँसी आने पर 9 लाख ड्रॉपलैड से भगभग 2 लाख वायरस कण वायुमंडल में बिखर जाते हैं जबकि कोरोना वायरस संक्रमण के लिए लिए 9 हजार से कम वायरस के कण संक्रमण के लिए काफी हैं। यही नहीं कोरोना वायरस के शरीर में प्रवेश के बाद रोग होने में 2-7 का समय लगता है।

लक्षण प्रकट होने पर तीन दिन पूर्व ही रोगी खाँसी, छींक अथवा बातचीत द्वारा रोग फैला सकता है यही कारण है मास्क पहनना, 2 गज की दूरी तथा हाथ को बार-बार साबुन से लगभग 20 सैकेंड तक धोना है। रोग से बचाव का एक उपाय है। 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग जिन्हें मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा, दमा, दीर्घ कालीन श्वास रोग,

गुर्दे के रोगी, कैंसर के रोगी अधिक संक्रमित होते हैं। यदि वे लोग धूम्रपान, तंबाकू, शराब के आदि हैं रोग गंभीर रूप धारण कर लेता है क्योंकि उपरोक्त सभी परिस्थितियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। महिलाओं को अपेक्षा पुरुष वर्ग को संक्रमण की संभावना अधिक रहती है। **कोरोना के लक्षण** : गले में खराश, बुखार, शरीर में जकड़न, सांस लेने में तकलीफ, खाद्य पदार्थ का स्वाद कम होना, सूँघने की क्षमता में कमी पेट दर्द, दस्त भी हो सकते हैं। कुछ लोगों में जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है विशेष कर वृद्ध लोगों, घबराहट सिर दर्द बहुत कमजोरी मानसिक रूप से चेतन्य नहीं रह पाते या बेहोश, गफलत की स्थिति भी कोरोना संक्रमण कम सकते हैं। 80-85 प्रतिशत रोगी साधारण संक्रमण होता है वे घर पर ही आइसोलेट एकांतवास में ठीक हो जाते हैं 10 प्रतिशत रोगी गंभीर संक्रमण की श्रेणी में तथा 2.5 प्रतिशत रोगी घातक रोग के शिकार हो जाते हैं। हमारे देश में अन्य देशों की तुलना में मृत्यु दर भी 1.8 प्रतिशत है। आवश्यकता यह है कि लक्षण होने पर तुरंत ही अविलंब डॉक्टर से परामर्श कर सावधानी से उपचार करें। लगभग 5 दिन से 7 दिन में रोग पर नियंत्रण संभव है तथा रोगी 10 दिन बाद संक्रमित नहीं करता।

हमारा देश फरवरी 29 से जून तक कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में आ गया। क्योंकि आम जनता ने कोविड के लिए मास्क, सामाजिक दूरी, हाथ बार-बार धुलें आम उल्लंघन किया। रोग का उपचार नहीं उपलब्ध है, लक्षणों एवं जटिलता का उपचार है लेकिन रोग बचाव एवं वैक्सीन ही कोरोना से बचने का सर्वोत्तम उपाय है। भीड़वाले, बाजारों, रेस्टोरेंट, होटल, मॉल्स, धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम तथा पारिवारिक कार्यक्रम विवाह आदि में रोग को फैलने का अवसर मिलता है। अतः 65 वर्ष से अधिक वय के लोग घर के अंदर रहें। बाहर जाने के बचें जब तक कि अति आवश्यक न हो। समाज में ऐसे उदाहरण हैं सगे-संबंधी विवाह में शामिल हैं 10 कोरोना संक्रमित हुए और 100 में दाखिल होना पड़ा। कैसी विडंबना है, कि परिवार के अपने भी इस रोग के संक्रमित रोगी

के दिवंगत होने पर अंतिम दर्शन से भी वंचित रह जाते हैं। कोरोना की दूसरी लहर का यही कारण है कि वायरस ने अपने स्वरूप को बदल लिया, उग्र रूप धारण कर लिया विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे डेल्टा वायरस की संज्ञा दी है यह वायरस 10-15 लोगों को संक्रमित करता है यही कारण है कि दूसरी लहर में परिवार के लगभग सभी सदस्य संक्रमित हो गए लेकिन जिन सदस्यों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम थी उन्हें संक्रमण गंभीर एवं जानलेवा सिद्ध हुआ इस दूसरे दौर में डेल्टा वायरस, 60 प्रतिशत संक्रमण के लिए लोगों को जिम्मेवार ठहराया गया है लगभग 20 महीने में देश में ही 2 लाख लोगों की मौत हो गई।

दूसरे दौर में यह भी स्पष्ट है कि कोरोना से ठीक हो रहे रोगियों के जिनमें लक्षण 4 से 12 सप्ताह तक रहते हैं जिसे लोग कोविड सिंड्रोम की संज्ञा दी जाती है। थकान, कमजोरी, चिड़चिड़ापन, मांसपेशियों में जकड़न, घबराहट, छाती में दर्द, सिरदर्द, भयंकर चक्कर आना शामिल है। लगभग 20-25 प्रतिशत रोगी मानसिक परेशानियों जैसे उदासी अकेलापन गुमसुम, असुरक्षा की भवना से भयभीत इस हद तक हो जाती है कि जीवन की दैनिक दिनचर्या के क्रिया-कलाप भी उनकी रूच नहीं रहती निराशा और अंधकार ही दिखता है। अतः यह अति आवश्यक कि समाज प्रत्येक नर-नारी, बच्चों के जीवन

शैली संतुलित आचार-विचार आहार पर विशेष ध्यान दे। प्रतिदिन 30 मिनट तक टहलना स्वास्थ्य के लिए वरदान है। सामान्य व्यक्ति को 10 हजार कदम रोग चलने चाहिए जिनको गठिया या हड्डी रोग है वे कुरसी पर बैठकर प्राणायाम, योग क्रियाएँ कर सकते हैं।

आहार में दाल, 2 सब्जी, 2 फल तथा अखरोट, बादाम, मूँगफली भुने हुए चने एक शीशी में भर लें तथा एक मट्टी प्रतिदिन लें। दूध, दही, पनीर का सेवन करें। शाकाहारी भोजन ही स्वास्थ्य के लिए श्रेयस्कर है। 7 घंटे की नींद स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। 2 घंटे से अधिक टी.वी. या मोबाइल का शौक न पालें। दिन में लगभग 10-12 गिलास पानी जरूर पीएँ यदि हृदय रोग, गुर्दे के रोग न हों। एकाग्रता, भजन के लिए मेडिटेशन स्वास्थ्य साधना रखे। सोच को मोच न आने दें। पुस्तकें ही एकांत के समय सच्चा साथी हैं। प्रकृति से जुड़ें, लगाव रखें पक्षी, पशु, पेड़-पौधे, वृक्ष को शांति प्रदान करते हैं। समाज के बंधुओं हमें यह समझना चाहिए कि स्वास्थ्य एक व्यक्तिगत किंतु जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू है। यदि समाज का प्रत्येक समाज अपने आचार-विचार, आहार-विहार की ओर से सचेत और सजग रहे तो स्वास्थ्य समाज की कल्पना साकार होगी और कोरोना जैसी महामारी से हम स्वयं ही आसानी से निबट लेंगे।

जो पीछे मुड़ के देखा तो,
कुछ यादें बुला रही थी।
अब तक के सफर की,
सारी बातें बता रही थी।।

कितनी मुश्किल राहें थीं,
हम क्या क्या कर गए।
एक सुकून की तलाश में,
कहां कहां से गुजर गए।।

कितने लोग मिले सफर में,
कितने बिछड़ गए।
जन्मों का साथ निभाने वाले,
जाने किधर गए।।

अलग ही ज़माना था,
वो अलग ही दौर था।
जिन्दगी जीने का,
मकसद ही और था।।

जिन्दगी की दास्तां...!

बचपन की नादानियां थीं,
ख्वाबों भरी जवानियां थीं।
घर की जिम्मेदारियां थीं,
धंधे की परेशानियां थीं।।

हर उम्र के सपने अलग थे,
दृष्टिकोण अलग था।
गोल अलग था,
मोल अलग था।।

आईने में खुद को देख कर,
रोज सोचता रहता हूँ।
क्या खोया क्या पाया,
अक्सर तौलता रहता हूँ।।

कुछ चेहरे कुछ बातें,
कुछ भूली बिसरी यादें।
ढूँढ रही हैं पूछ रही हैं मुझे,
क्या सही, क्या गलत था।।

उम्र के साथ साथ।
सोच बदलती रहती है।
चाहत बदलती रहती है,
खोज बदलती रहती है।।

अब इस मुकाम पर,
एक ठहराव आ गया है।
मंजिल का तो पता नहीं,
पर पड़ाव आ गया है।।

बेचैन मन को राहत ,

- अजय चौबे (चंद्रपुर/भोपाल)

अब मिलने लगी है।
समझौता कर लिया तो,
जिन्दगी मुकम्मल लगती
है।।

ऐ ईश्वर तेरा शुक्रिया,
तुझसे कोई शिकवा नहीं है।
यहां सब थोड़े अधूरे से हैं,
किसी को पूरा मिला नहीं है।।

बहुत सारी कट गई,
अब थोड़ी सी बची है।
किसी के होंठों पे मुस्कुराऊँ,
जाने के बाद भी याद आऊँ।।

बस यही जिन्दगी है।
बस यही जिन्दगी है।।

कोरोना के बाद स्वस्थ



- स्मृति चतुर्वेदी, जयपुर
Clinical Nutritionist & Lifestyle
profession / Sports persony

इस वक्त पूरा देश कोरोना वायरस महामारी (Coronavirus Pandemic) से जूझ रहा है. कोरोना को मात देने के बाद व्यक्ति का शरीर इतना वीक हो जाता है कि यदि उसका पूरा ध्यान ना रखा जाए तो उसे अन्य मौसमी बीमारियां आसानी से घेर सकती हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स के द्वारा दिए गए सुझावों जो कोविड-19 के बाद फास्ट रिकवरी के लिए।

आपके काम आ सकते हैं. शुरुआत में करें आसान एक्सरसाइज/ योग आराम को लेकर लापरवाही ना करें

14 दिन का क्वारंटाइन पीरियड पूरा करने के बाद भी ज्यादातर डॉक्टर्स एक और सप्ताह का आइसोलेशन पीरियड पूरा करने की सलाह देते हैं. ताकि आपके शरीर को पूरा आराम भी मिल सके और आपके परिवार में आपके द्वारा संक्रमण भी ना फैले. आपको पर्याप्त नींद लेनी चाहिए क्योंकि सोते समय बाँडी का रिकवरी रेट कई गुना बढ़ जाता है!

शरीर के ऑक्सीजन लेवल (Covid oxygen) का ध्यान रखें

आपके लिए जरूरी है कि आप ऑक्सीमीटर से हर दिन अपना ऑक्सीजन लेवल जरूर चेक करें. अगर यह 90 से नीचे जाए तो आपको अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए ताकि समय रहते आपके लंग्स की जांच की जा सके। पुराने रूटीन में आने के लिए अपने न्यूट्रिशन (Nutrition), फिटनेस (Fitness) और हेल्थ (Health) पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है।

कोविड के बाद रिकवरी का रखें ध्यान :

कोरोना संक्रमण के बाद जल्दी रिकवरी और पुराने रूटीन में आने के लिए अपने न्यूट्रिशन (Nutrition), फिटनेस (Fitness) और हेल्थ (Health) पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है. अगर आपको कोरोना संक्रमण हो चुका है तो इस बात का ख्याल रखें कि आप 1 दिन या 14 दिनों के फेज में ठीक नहीं हो जाएंगे. कोविड-19 के बाद फास्ट रिकवरी के लिए ये टिप्स (Post Covid Recovery Tips) आपके काम

आ सकते हैं.

सुबह जल्दी उठना है जरूरी (but dont push yourself hard.)

: हर सुबह जल्दी उठने से आप एनर्जेटिक और पॉजिटिव महसूस करेंगे. सुबह की ताजी हवा और धूप शरीर को एक्टिव रखेगी. कोविड की रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करना शुरू कर दें. इससे आप शारीरिक और मानसिक तौर पर फिट महसूस करेंगे.

आसान एक्सरसाइज :

कोरोना से ठीक होने की प्रक्रिया मुश्किल होती है. इसलिए इसमें कोई जल्दबाजी न दिखाएं. शुरू के दिनों में हेवी वेट एक्सरसाइज (Heavy Weight Exercise) करने के बजाय हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें. आप धीरे-धीरे वॉक करें, ब्रीदिंग एक्सरसाइज (Breathing Exercise) और मेडिटेशन पर ध्यान दें. शरीर को ज्यादा थकाने से बचें।

योग से रहेंगे निरोग :

घर में रहते हुए अपने ऑक्सीजन लेवल को कंट्रोल (Oxygen Level Normal) रखने की कोशिश करें. इसके लिए आप अनुलोम-विलोम, कपालभाति, प्राणायाम आदि कर सकते हैं।

ड्राई फ्रूट्स से सेहत होगी दुरुस्त :

हर रोज खजूर, किशमिश, बादाम, काजू और अखरोट जैसे ड्राई फ्रूट्स जरूर खाएं. मेवों को रात भर पानी में भिगोकर रखें और उसके बाद ही सुबह उनका सेवन करें.

खान-पान का रखें खास ख्याल :

कोविड से ठीक होने के बाद (Post Covid Diet) अपनी हड्डियों की मजबूती पर ध्यान देना चाहिए. इसलिए अपनी ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर डाइट का ध्यान रखें. सूप (Soup), दाल जैसी चीजों को डाइट में शामिल करें. कैल्शियम चीजें खाएं. (अच्छे परिणामों के अपने Clinical Nutritionist की सलाह का पालन करें।)

कोविड-19 से ठीक होने के बाद अगर 6-8 महीनों तक आपको किसी भी तरह की परेशानी महसूस होती है तो बिना देर किए अपने डॉक्टर से कंसल्ट जरूर करें। कोरोना से जीतने के बाद ऐसी होनी चाहिए आपकी डायटडॉक्टर्स का कहना है कि किसी भी बीमारी के बाद शरीर को पूरी तरह स्वस्थ करने के लिए आराम के साथ ही सही डायट की भी जरूरत होती है। खासतौर से कोरोना से ठीक होने के बाद आपको अपनी डायट में प्रोटीन की अधिक मात्रा का उपयोग करना चाहिए। हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पिएं, एक मुट्ठी नट्स (सूखे मेवे) और कम से कम कोई एक फ्रूट जरूर खाएं! (clinical Nutrition की सलाह से RDA के अनुसार भोजन लें)।

do remember your immunity starts what you eat , How you Eat , When you Eat & most important at what stage of life you eat ? Nutrition plays its big role in every hemisphere of life.

अपनी याददाश्त पर ध्यान दें :

कोरोना संक्रमण का असर ब्रेन हेल्थ पर भी पड़ता है। इस कारण कुछ लोगों में चीजों को याद ना रख पाने की समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या से बचने के लिए आप हर दिन कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिनसे आपके ब्रेन की एक्सर्साइज हो। जैसे लूडो, चेस, सुडोकू, याददाश्त से जुड़े कुछ मोबाइल गेम्स।

शरीर के ऑक्सीजन लेवल का ध्यान रखें :

कोरोना के इलाज के दौरान हर पेशेंट को ऑक्सीमीटर उपबल्लध कराया जाता है। आपके लिए जरूरी है कि आप इसकी मदद से हर दिन अपना ऑक्सीजन लेवल जरूर चेक करें। क्योंकि कोरोना के दौरान फेफड़ों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इस बारे में शुरुआती स्तर पर मरीज को पता नहीं चल पाता है।

- कोरोना संक्रमण से पूरी तरह ठीक होने के बाद भी आपको अपना ऑक्सीजन लेवल चेक करते रहना है। अगर यह 90 से नीचे जाए तो आपको अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए ताकि समय रहते आपके लंग्स की जांच की जा सके।

अन्य बीमारियों को रोकने के लिए :

- कोरोना एक ऐसा संक्रमण है, जो ठीक होने के बाद भी कई-कई महीनों बाद तक उसके ऑफ्टर इफेक्ट्स आपके शरीर पर दिख सकते हैं। जैसे, फेफड़ों से जुड़ी समस्या, किडनी से जुड़ी बीमारी, लिवर /, सिर में दर्द रहना ! (dont get panic just keep in touch with your doctor & clinical Nutritionist)

Immunity Boosting Diet For Covid 19:
भारत में कोरोना महामारी के चलते सभी लोग परेशान है। यहां तक कि ज्यादातर लोग तो इससे बचे रहने के लिए कई घरेलु उपाय भी अपनाते हैं। लेकिन यदि आप उपाय करने के बाद भी संक्रमित हो जाते हैं, तो चिंता न करें। आपका शरीर आसानी से वायरस से लड़ सकता है। यदि आप एक्सरसाइज करते हैं और आपकी डाइट में सही प्रकार का भोजन शामिल है तो आप वायरल से आसानी से लड़ सकते हैं। इस महामारी के चलते आपको ऐसे भोजन की जरूरत है, जो आपकी कमजोरी को दूर करें और आपकी इम्यूनिटी बढ़ाए। यहां आज हम आपको इम्यूनिटी बुस्टिंग डाइट के बारे में बताएंगे जो आपको कोरोना से बचाने में आपकी मदद कर सकती हैं।

इसके लिए सबसे पहले आप एक गिलास में नींबू पानी

नाश्ते में एक तरल पदार्थ जरूर लें जैसे कि आप हर्बल टी भी लें सकते हैं। इसके लिए आप अदरक के साथ पानी उबालें। आप इसमें अदरक, लेमनग्रास, पुदीना के पत्ते और तुलसी के पत्ते डालकर इसे उबाल लें। आप इसमें दूध और गुड़ भी डाल सकते हैं। यह स्वस्थ के लिए बहुत ही अच्छा तरल पदार्थ है।

बनाएं और उसमें चुटकी दाल चीनी मिक्स कर लें। गर्म नींबू पानी म मिक्स करके पिएं और ताजगी महसूस करें। हल्दी और दालचीनी प्रकृतिक रूप से एंटी वायरल होते हैं और नींबू का रस हमारी इम्यूनिटी को बूस्ट करता है। इसलिए यदि आप इस ड्रिंक को सुबह उठकर पीते हैं तो ये आपकी बॉडी को वायरस से बचा कर रखेगा। आप एक बड़ा चम्मच शहद और कुछ अदरक के रस की बूंदे का सेवन दिन में किसी भी समय कर सकते हैं। इन दोनों में एंटी वायरल के गुण पाए जाते हैं। अदरक में अदरक का तेल और शोजल मौजूद होता है। दोनों ही एंटी इंप्लेमेटरी और एंटी ऑक्सीडेंट होते हैं। इसलिए आपको दिन में एक बार एक बड़ा चम्मच शहद और कुछ अदरक के रस की बूंदों का सेवन करना चाहिए। नाश्ता हमारी बॉडी के लिए बहुत ही जरूरी है इसलिए व्यक्ति को उचित नाश्ता करना चाहिए। आपके लिए नाश्तों में लेने के लिए कई सारे ऑप्शन हैं जैसे कि उपमा, इडली, डोसा /oats upma/ mounng dalchila/ poriadge आदि। यहां तक कि अनार का रस, चुकंदर का रस और अनानास के रस में भी नाइट्रेट पाया जाता है इसलिए दिन में एक बार जूस के रूप में इनका सेवन करें। आप मॉर्निंग में चपाती के साथ एक चम्मच घी का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। जो भी व्यंजन आप खाते है उसमें एक चम्मच

घी जरूर डालकर खाएं। घी आपके स्वस्थय के लिए बहुत लाभदायक है। यदि आप घी का सेवन करना शुरू करते हैं तो आप ध्यान दें कि इसका सेवन करने से आपको गैस और एसिडिटी की समस्या नहीं होगी। घी का सेवन करने से भोजन भी बहुत आसानी से पच जाएगा। इस सक्रमण के कारण पाचन तंत्र बहुत खराब हो जाता है। लोगों को बेचैनी और उल्टी महसूस होती है। यदि आप अगर इस मिश्रण का सेवन घी मिलाकर करते हैं तो आप बहुत आराम महसूस करेंगे और आपका पाचन तंत्र भी मजबूत होगा। (co morbidity k case mai , discuss with your Clinical Nutritionist) नाश्ते में एक तरल पदार्थ जरूर लें जैसे कि आप हर्बल टी भी लें सकते हैं। इसके लिए आप अदरक के साथ पानी उबालें। आप इसमें अदरक, लेमनग्रास, पुदीना के पत्ते और तुलसी के पत्ते डालकर इसे उबाल लें। आप इसमें दूध और गुड़ भी डाल सकते हैं। यह स्वस्थय के लिए बहुत ही अच्छा तरल पदार्थ है। agar aap beta blocker per hai so aap aapni dietician se puch kar diet le sakte hai . Dyspnea / mild shortness of breath ki condition mai , carbohydrates ko kam le essential fatty acid quantity aapki nutritionist se salah kar k le. omega 3 F,A shamil kare. ye aapko Respiratory distress mai help karenge.

दोपहर में क्या खाएं :

लंच में आप आसानी से पचने वाला शाकाहारी भोजन लें जैसे कि दाल चावल, चपाती-सब्जी आदि। सब्जी में आप हरे पत्ते वाली सब्जी भी खा सकते हैं। इसके लिए पालक की सब्जी एक बेतरीन ऑप्शन है। पालक में नाइट्रेट होता है, जो नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन करता है। इस नाइट्रिक ऑक्साइड में विरोधी भड़काउ गुण पाए जाते हैं और यह बॉडी में वायरस को फैलने से रोकता है। इसके साथ आप एक गिलास छाछ का भी सेवन करें।

शाम का नाश्ता :

शाम के नाश्ते में आप खजूर, नट्स, बीज का सेवन कर सकते हैं। इस समय आप कुछ ऐसा खाएं जिसे आप चबा सकते हैं और जिसे खाकर आप हल्का महसूस करें। इसलिए आप चावल, पॉप कॉर्न भी खा सकते हैं। आप सूखा बेल, एक मुट्टी चने, नमकीन पानी के साथ उबली हुई मूंगफली/roasted makkana भी खा सकते हैं।

रात का खाना :

रात के खाने में आपको कुछ हल्का खाना चाहिए जैसे कि, खिचड़ी या सूप के रूप में पतली सी दाल या कोई अन्य सूप, मिक्स वेजिटेबल सूप, स्वीट कॉर्न सूप आप खखरा, चपाती या थोड़ी भकरी और नरम चपाती के साथ लें सकते हैं। बिस्तर पर जाने से पहले थोड़ा सा हल्दी डालकर गर्म दूध लें। आयुर्वेद में हल्दी और दूध प्रकृति से ओजस हैं। इनका सेवन करने से आपको अच्छी मात्रा में उर्जा प्राप्त होती है। इसे पीकर आप आराम महसूस करेंगे। वास्तव में हल्दी के साथ दूध पीना बेहतर नींद के लिए मददगार होता है। यदि आप एक अच्छी नींद लेते हैं तो आपकी बॉडी के सारे हार्मोन आपकी मदद करने के लिए उस स्तर तक आने में मदद करते हैं जहां इम्यूनिटी हाई हो जाती है और संक्रमण बहुत आसानी से नियंत्रित करते हैं। नींबू का रस, चुकंदर, शहद, खजूर जैसे खाद्य पदार्थ प्राकृतिक रूप से क्षारीय होते हैं इसलिए इनका सेवन जरूर करें। इनका सेवन करने से आपको एसिडिटी की समस्या नहीं होगी।

very important points .. keep eye on hydration to fight back use your positive energy . for over coming from malnutrition , you should follow RDA with specific diet plan as per your body need !

Dont be panic ,give time to your body to heal you properly & help it by providing your all support it need .from many years we have taken our body for granted . as I say , it works for us 24*7 , now its time for attainment & our support to heal and get back in normal mode. very important because of bed ridden & lethergy /posture issues ..back pain , joint pain observed in normal cases so its important to start muscle stretching exercise to bounce back normally, dont miss out probiotic in diet ..Healthy gut is key to healthy immune system.

“LIFE IS PRECIOUS GIFT TO MANKIND ,ACKNOWLEDGE ITS IMPORTANCE BEFORE ITS TO LATE” .

(agar cretically ill hai toh , aapka diet pattern PN /EN Diet per nirbhar bhi hota hai)

please note - for specific problem pls discuss with your doctor & Clinical Nutritionist.

कोरोना



- डॉ. संजय चतुर्वेदी, आगरा

कोरोना वायरस (SARS_COV 2) नवंबर 2019 में यह चीन के वोहान काउंटी की एक लैब से निकला ऐसा माना जाता है। देखते ही देखते इस वायरस ने पूरे दुनिया में पैर पसार लिए। अंटार्कटिका जैसे क्षेत्र में भी कोरोना की पुष्टि हुई है।

इस वायरस से होने वाली बीमारी को कोविड का नाम दिया गया। इसे वैश्विक संगठन द्वारा महामारी घोषित किया गया है। जनवरी 2020 में यह वायरस भारत में पाया गया। 21 मार्च 2020 को पूरे देश में जनता कर्फ्यू लगाया गया था, 1 साल बाद यानि 2021 में फिर से कोरोना वायरस लगातार बढ़ रहा है।

कोरोना वायरस (कोविड) बीमारी क्या है।

कोरोना वायरस यह एक ऐसा संक्रमण है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से चला जाता है। वर्तमान में इस वायरस के लक्षण सर्दी, जुकाम, बुखार, सुगंध नहीं आना, स्वाद नहीं आना, सांस लेने में तकलीफ होना और गले दुखना हैकुछ लोगों को दस्त से भी शुरुआत हुई थी। लेकिन अब कुछ मरीज पोस्ट कोविड डिर्सॉर्डर के भी आने लगे हैं जिसमें कमजोरी सांस लेने में परेशानी आदि प्रमुख लक्षण हैं। पूरा विश्व पिछले एक साल से कोविड-19 से जूझ रहा है। करोड़ों लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं, लेकिन अभी भी खतरा कम नहीं हुआ है। अक्टुबर 2020 में दी लैसैट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, विश्वभर के वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि कोविड-19 तीन स्तर पर लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है; पहला, इससे संक्रमित होने का खतरा तो बना ही हुआ है, लेकिन जो लोग ठीक हो चुके हैं उनमें से लगभग 15 प्रतिशत मरीजों में अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद दोबारा संक्रमण के संकेत दिखाई दे रहे हैं, दूसरा उपचार कराने के बाद भी लगभग 75 प्रतिशत लोग सामान्य महसूस नहीं कर रहे हैं। तीसरा, संक्रमित लोगों में कुछ महीनों बाद कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में पोस्ट कोविड केयर बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।

कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी के इंफेक्शन कंट्रोल एंड हॉस्पिटल एपिडेमियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार कोविड-19 एक अत्यधिक संक्रामक वायरस है, इसलिए उपचार के बाद भी लोग पूरी तरह सामान्य और स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं। एक बार संक्रमित हो चुके लोग संक्रमण के

कोरोना वायरस: 3 ज़रूरी बातें



आसान शिकार हैं, ऐसे में वार्निंग साइंस/चेतावनी भरे संकेतों को नज़रअंदाज़ न करें।

सांस लेने में परेशानी होना।

तेज बुखार।

छाती में तेज दर्द होना।

भ्रम की स्थिति।

अत्यधिक कमजोरी महसूस होना।

पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं।

त्वचा पर रैशेज़ पड़ जाना या बाल झड़ना।

मांसपेशियों में दर्द या सिरदर्द।

हृदय का तेजी से धड़कना।

याददाश्त कमजोर पड़ जाना, ध्यानकेंद्रित करने में परेशानी होना या सोने में परेशानी होना।

बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों में ही नहीं, युवा और स्वस्थ लोगों में भी संक्रमण से ठीक होने के कई सप्ताह या महीनों तक ये लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि अभी भी नहीं कहा जा सकता कि कोविड-19 लंबे समय में लोगों को क्या नुकसान पहुंचाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, कोविड-19 का प्राथमिक रूप से प्रभाव फेफड़ों पर पड़ता है, लेकिन यह कई और अंगों को भी क्षतिग्रस्त कर सकता है। इन अंगों का क्षतिग्रस्त होना, गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का खतरा बढ़ा देता है। कोविड-19 के लंबे और सीमित समय के लिए पड़ने वाले प्रभावों को पोस्ट कोविड सिंड्रोम नाम दिया गया है।

कोविड-19 साइड इफेक्ट्स

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, थकान और सांस लेने में परेशानी संबंधी कोरोना का संक्रमण फेफड़ों तक ही सीमित नहीं रहता, दूसरे अंगों तक भी पहुंच जाता है। इटली से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 से ठीक हुए मरीजों में से लगभग 87 प्रतिशत मरीज थकान और डिस्पनोइया (सांस लेने में मेहनत करना) की शिकायत कर रहे हैं। कई मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अगले ही दिन फिर से भर्ती करना पड़ता है, क्योंकि उनके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम हो जाता है।

किडनी से संबंधित समस्याएं

इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (आईएसएन) की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, विश्वभर में ऐसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है जिन्हें कोविड-19 के कारण किडनी से संबंधित समस्याएं हो रही हैं। इन समस्याओं में एक्यूट किडनी इंजुरी (एकेआई) और किडनी फेलियर प्रमुख हैं। अमेरिकन जनरल ऑफ किडनी डिस्जीज (एजेकेडी) में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार गंभीर रूप से संक्रमित मरीज जो आईसीयू में भर्ती होते हैं उनमें से लगभग 27 प्रतिशत में किडनी फेलियर के मामले सामने आए हैं।

हृदय से संबंधित समस्याएं

कोविड-19 से ठीक हुए कई मरीजों में हृदय से संबंधित समस्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। यह वायरस हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाता है, जिससे भविष्य में हार्ट फेलियर या हृदय से संबंधित दूसरी जटिलताओं का खतरा बढ़ा सकता है। यह समस्या गंभीर संक्रमण के शिकार लोगों में ही नहीं, उन लोगों में भी हो रही है जिनमें मामूली लक्षण दिखाई दिए थे।

फेफड़ों से संबंधित समस्याएं

न्युमोनिया और डीप वेन थ्रोम्बोसिस के कारण फेफड़ों में सूजन कोविड-19 के कारण फेफड़ों से संबंधित सबसे प्रमुख स्वास्थ्य जटिलताएं हैं। इनके कारण फेफड़ों के उतकों को नुकसान पहुंच सकता है, जिससे आगे चलकर सांस लेने में तकलीफ की समस्या हो सकती है।

मस्तिष्क से संबंधित समस्याएं

वयस्क और बुजुर्गों में ही नहीं, युवा लोगों में भी, कोविड-19 के कारण स्ट्रोक, दौरे पड़ना और गुलैन-बैरेंसिंड्रोम - एक

स्थिति जिसके कारण अस्थायी रूप से लकवा मार सकता है, की समस्या हो रही है। कोविड-19 पार्किंसन्स और अल्जाइमर्स रोग विकसित होने का खतरा बढ़ा सकता है।

मानसिक स्वास्थ्य

अमेरिकनसाइकोलॉजिकलएसोसिएशन के अनुसार, कोविड-19 संक्रमण का मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इंटरनेशनल लेबरआर्गनाइजेशन द्वारा किए सर्वे में हर चार में से एक व्यक्ति किसी न किसी मानसिक समस्या जैसे एंजाइटी, अवसाद, क्रॉनिकफटिकसिंड्रोम का शिकार हैं। इस सबको पढ़ने से ऐसा लगने लगेगा की कोविड एक बहुत खतरनाक बीमारी है जिसको हो गयी उसकी मौत निश्चित है लेकिनऐसा नहीं है। एक सर्वे के अनुसार इस बीमारी का संक्रमण जितने व्यक्तियों में होता है उनमें से ८०% को तो कोई लक्षण भी नहीं आता या बहुत मामूली लक्षण आते हैं केवल २०% को अस्पताल जाना पड़ता है और १०% ICU और केवल १% की मौत होती है। पिछले साल से वैक्सीन पर भी काम हुआ और अब वैक्सीन पूरी दुनिया के लिए उपलब्ध है। भारत में भी दो वैक्सीन—कोविशील्ड और कोवैक्सीन उपलब्ध हैं जल्दी ही स्पुतनिक भी लांच हो जाएगी, कौन सी लगवाएँ कब लगवाएँ पर बस यह कहना चाहूँगा कि कोई भी जो आसानी से उपलब्ध, हो लगवायी जाए क्योंकि अब तक कौन सी ज्यादा, कौन सी कम और कौन से स्ट्रेन पर काम करेगी यह अभी भी अनुसंधान का विषय है।

जिन्हें खुद के संक्रमित होने का शक है उनके लिए सलाह

- पहला कदम**  डॉक्टर, फार्मसी या अस्पताल जाने से बचें
- दूसरा कदम**  अपने इलाके में मौजूद स्वास्थ्य कर्मों से फोन पर या ऑनलाइन जानकारी लें
- तीसरा कदम**  आपको खुद को दूसरों से दूर रखने की सलाह दी जा सकती है
- चौथा कदम**  आपके बारे में जानकारी स्थानीय स्वास्थ्य टीमों के पास भेजी जा सकती है
- पंचवा कदम**  कोविड 19 वायरस के लिए आपकी जांच की जा सकती है
- छठा कदम**  जरूरत पड़ने पर डॉक्टर या नर्स आपको क्या करना चाहिए इसकी जानकारी देंगे

आयुर्वेद के अनुसार कोरोना के बाद का उपचार



- वैद्य अंशुमान चतुर्वेदी, जयपुर

आयुर्वेद अनुसार किसी भी व्यापक रोग के कारण पैदा होने वाली स्थिति है इसमें किसी भी रोग के कारण व्यापक रूप से बीमारी का संक्रमण होता है और किसी भी शहर, देश, या विश्व में फैल कर यह बीमारी अधिकतम लोगों को काल का ग्रास बनाने का कारण बनती है। वर्तमान कोविड-19 भी “जनपदोद्ध्वंस” का ही एक रूप है। आज विश्व का कोई भी देश ऐसा नहीं जो इससे अछूता हो कमोबेश सभी स्थानों पर यह अपने उग्र रूप में फैल रही है। संक्रमण की दर समय-समय पर बदलती रही है किंतु सकारात्मक यह है कि इसकी मृत्यु दर काफी कम है। बताया गया है कि सभी प्राणियों को एक बार निश्चित रूप से इस बीमारी से संक्रमित होना पड़ेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि इसके कई रूप देखने को मिल रहे हैं कुछ में लक्षण रहित, कुछ में अल्प लक्षण युक्त और कुछ में अत्यधिक लक्षण युक्त, संक्रमण पाया जा रहा है। पहले दो तो कुछ सामान्य उपचार से ठीक हो रहे हैं किंतु अत्यधिक लक्षणों वाले व्यक्ति को हॉस्पिटल में भर्ती होने, ऑक्सीजन, वेंटीलेटर आदि की भी आवश्यकता हो रही है। इस दौरान अनेक लोग काल कवलित भी हुए हैं।

दुर्भाग्य की बात यह है कि हमारे चतुर्वेदी समाज के भी लगभग 150 से अधिक बंधुओं को हमने खोया है,

यह समाज की एक अपूरणीय क्षति है।

इससे बचाव के साधनों में प्रमुख रूप से मास्क, सैनिटाइजर, 2 गज की दूरी, आदि को बताया गया है, इसके साथ ही वैक्सीन इससे बचाव का विश्वसनीय एवं दूरगामी

साधन है। आयुर्वेद अनुसार इसमें बचाव के साधनों की बात करें तो हम देखेंगे कि आयुर्वेद का प्रथम सूत्र ही “स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणं आतुरस्य विकार प्रशमनं च” है।

अर्थात् प्रथमतः स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोग का उपचार इसके अंतर्गत हम पहले यह प्रयास करते हैं कि स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य को बनाए रखें, फिर भी यदि कोई रोगी होता है तो उसके रोग का उपचार करें।

इस कोविड काल में भी हम यह प्रयास करते हैं कि आहार-विहार, दिनचर्यादि से ही व्यक्ति में इतनी रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करें कि वह बीमार ही नहीं पड़े, उस पर संक्रमण का इतना प्रभाव ही नहीं पड़े फिर भी किसी कारणवश कोई बीमार हो जाता है तो आयुर्वेद में प्रचुर मात्रा में ऐसी औषधियां उपलब्ध हैं जिससे उसका उपचार किया जा सकता है।

अब हम बात करेंगे : POST COVID LIFE की अर्थात् व्यक्ति के कोविड-19 से संक्रमित होकर ठीक होने के पश्चात् उसे कैसी जीवन चर्या अपनानी चाहिए। आयुर्वेद के अनुसार हम फिर उसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली सामान्य औषधियां जिनमें से अधिकांश हमारी रसोई या घर के गार्डन में ही उपलब्ध होती हैं, का उपयोग कर सकते हैं।

इसमें सामान्य रूप से हल्दी, तुलसी, अश्वगंधा, गिलोय, ग्वारपाठा आदि का निरंतर सेवन, आयुष क्वाथ का सेवन, गर्म पानी, भाप आदि का सेवन करना हमारी सामान्य दिनचर्या में हमें प्रयोग करना होगा इसके साथ ही कुछ योग प्राणायाम भी हम करें तो लाभदायक रहेगा। खाने में पौष्टिक आहार का सेवन, बाजार के पैकड, फास्ट फूड से बचना, एवं अन्य जो सामान्य बचाव के साधन हैं का पालन करना ही कोविड-19 से बचाव का साधन हैं।

हमें एक बात का अवश्य ध्यान रखना है : हमें कोविड से डरना नहीं है, इससे बचाव के साधनों का उपयोग करना है। आज की स्थिति में कोविड-19 का संक्रमण काफी नियंत्रण में आ गया है, यह एक संतोषजनक बात है। किंतु जैसा कि बताया जा रहा है पहली व दूसरी लहर के बाद अब कोविड-19 की तीसरी लहर का खतरा होने की संभावना है तथा यह

लहर बच्चों पर अत्यधिक प्रभावी होगी ऐसा अनुमान है।

अतःजैसा कि पूर्व में बताया गया है सभी अपेक्षित सावधानियों का पालन हमें वयस्कों के साथ-साथ बच्चों में विशेष रूप से करना होगा। राहत की बात यह है कि अभी स्कूल /कालेज नहीं खोले गए हैं, अधिकांश परीक्षाएँ रद्द /स्थगित की गई हैं अतः बच्चे घर पर ही हैं। किंतु हमें सावधानी यह रखनी है कि संक्रमण दर कम होने की वजह से हम असावधानी नहीं बरतें व अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलें, साथ ही रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बच्चों को भी विशेष रूप से हल्दी युक्त दूध ,तुलसी ,गिलोय, अश्वगंधा व आयुष क्वाथ का नियमित सेवन करावें।

अपने निकटतम आयुर्वेद चिकित्सक से परामर्श कर उपरोक्त औषधियों के अतिरिक्त योग प्राणायाम आदि का भी यथा निर्दिष्ट अभ्यास करें।

जिससे हम तीसरी संभावित लहर से अपने बच्चों को सुरक्षित रखने में सफल रहेंगे। अंत में POST COVID LIFE के बारे में संक्षिप्त परामर्श यह है कि हमें सादा, स्वास्थ्यवर्धक आहार विहार ,आयुर्वेद सम्मत रोग प्रतिरोधक औषधियों एवं योग प्राणायाम का अभ्यास करते हुए सकारात्मक सोच के साथ COVID-19 की समय-समय पर शासन द्वारा दी जा रही गाइडलाइन का पालन करते रहना है जिससे कि हम इस महामारी से सुरक्षित एवं स्वस्थ रह सकें।



- डॉ. अभिलाष चतुर्वेदी, कानपुर

कोरोना महामारी के दौर में बचाव और लक्षण

कोरोना वायरस बीमारी (कोविड-19) एक संक्रामक बीमारी है। इसके प्रभाव के चलते पूरी दुनिया में हजारों संख्या में लोग अपनी जान गवां चुके हैं। कोविड-19 की चपेट में आए ज्यादातर लोगों को हल्के से लेकर मध्यम लक्षण अनुभव होंगे और वे बिना किसी खास इलाज के बीमारी से उबर जाते हैं। कानपुर शहर में कोरोना संक्रमण से सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो गई है। हालांकि आपदा के इस दौर में डाक्टरों के सहयोग और सेवा भाव के चलते कई लोगों को जीवन को बचाने में कामयाबी मिली।

संक्रमण का असर इस प्रकार होता है: कोविड-19 बीमारी वाला वायरस उन बूंदों से फैलता है जो किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छिंकने या सांस लेने से पैदा होती हैं। ये बूंदें बहुत भारी होती हैं। इसलिए ज्यादा देर तक हवा में नहीं रह पाती हैं और तुरंत ही फर्श या सतह पर गिर जाती हैं। जिसके संपर्क में आने वाला इसकी चपेट में आता है। अगर आप किसी ऐसे व्यक्ति के बहुत नजदीक हैं जो कोविड-19 से पीड़ित है, तो सांस लेने पर आप भी संक्रमित हो सकते हैं। अगर आप किसी संक्रमित सतह को छूते हैं और उसके बाद आंखें, नाक या मुंह छूते हैं। तो ऐसा करने पर आप भी संक्रमित हो सकते हैं।

कोविड-19 वायरस, अलग-अलग लोगों को अलग-अलग तरह से प्रभावित करता है। संक्रमित हुए ज्यादातर लोगों को थोड़े से लेकर मध्यम लक्षण तक की बीमारी होती है और वे अस्पताल में भर्ती हुए बिना ठीक हो जाते हैं।

यह हैं संक्रमण में असर करने वाले आम लक्षण

बुखार, सूखी खांसी, थकान।

कम पाए जाने वाले लक्षण : खुजली और दर्द, गले में खराश, दस्त, आँख आना, सरदर्द, स्वाद और गंध न पता चलना, त्वचा पर चकत्ते आना या हाथ या पैर की उंगलियों का रंग बदल जाना

गंभीर लक्षण: सांस लेने में दिक्कत या सांस फूलना, सीने में दर्द या दबाव, बोलने या चलने-फिरने में असमर्थ, गंभीर लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। अपने डॉक्टर के पास या अस्पताल में जाने से पहले हमेशा फ़ोन करके जाएं।

जो लोग स्वस्थ हैं और उन्हें वायरस के थोड़े-बहुत लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो उन्हें घर पर ही रहना चाहिए।

वायरस से संक्रमित होने के बाद, इसके लक्षण दिखाई देने में आम तौर पर 5-6 दिन लगते हैं। हालांकि, कुछ मामलों में लक्षण दिखने में 14 दिन भी लग सकते हैं।

संक्रमण से बचाव के कारगर उपाय : संक्रमण के लक्षण दिखने पर स्वयं को आइसोलेट करके डाक्टर से संपर्क करें।

- मास्क का उपयोग और शारीरिक दूरी का पालन सख्ती से करें।

- बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें।

- बाहर के खान-पान से बचें और संपर्क में आने से बचें।

- योग नियमित रूप से करते रहे। इससे फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर को लाभ होता है।

- आयुर्वेदिक का सहारा लेकर इम्यूनटी को बेहतर करें।

- संतुलित और बेहतर खान-पान इस दौर में जरूरी है।

मनोबल ही समाधान



- दिलीप सिकंदरपुरिया, लखनऊ

लॉक डाउन खत्म हो गया। आज ऑफिस नहीं जाना ? पत्नी ने कहा तो पति बोला- कहां -आफिस ? काफी प्रयास के बाद पति आफिस चला तो पत्नी रोने लगी -- अरे,घर में अकेले ही मेरा मन नहीं लगेगा। यह कपोल-कल्पित हो सकती है, लेकिन कोरोना के बाद हर कोई अजीब सी उलझन में लगता है। चाहे वो कोरोना से पीड़ित हो या फिर कोरोना से बच गया हो। सभी हाथ धोते-धोते डरते हैं, पता नहीं कब जिंदगी से ही धोना पड़ जाए। कोरोना की पहली लहर हो या दूसरी लहर या तीसरी लहर की शंका चारों तरफ भय या असुरक्षा के वातावरण में न जाने-- “कब, क्या, क्यों, कहां, कैसे” - की परिस्थितियां पैदा हो जाए ? कोई नहीं जानता और नहीं समझता है। इस ऊहापोह में सभी लोग मानसिक उलझनों की गिरफ्त में फंस गए हैं। चार साल का बच्चा, चौबीस साल का जवान, चालीस साल का अधेड़ या साठ साल का पौढ़ या अस्सी साल का बुजुर्ग हो किसी न किसी समस्या, भय, चिंता, असुरक्षा, असहनशीलता के भ्रमजाल में फंसकर सबका मनोबल टूटा हुआ लगता है। यदि किसी से इसका कारण पूछे तो झुंझला कर बोलता है कि “परेशान मत करो, तुम नहीं समझोगे। यह कोरोना काल की ही बात नहीं है बल्कि 70 के दशक से ही भारत में मनोरोग फैशन की तरह ही फैलता जा रहा है। इन्हीं मानसिक उलझनों एवं असमंजस के कारण सामाजिक एवं पारिवारिक संरचना में भी टकराव की स्थिति बन गई है।

मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. नाथ से चर्चा के दौरान बढ़ते हुए तनाव एवं अवसाद का कारण जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि किसी ने कहा है...Adjustment thy name is Life अर्थात् हमारी जिंदगी आपस में सामंजस्य स्थापित करके ही सफलता पूर्वक चलती है। कर्मण्ये वाधिकारस्ते मां फलेषु कदाचना की भावना से परिवार में बुजुर्ग की बात पर कोई सवाल नहीं उठाता था बल्कि पूरी जिम्मेदारी से आदेश मानकर पालन करते थे। सही या गलत परिणाम की जिम्मेदारी बुजुर्ग लेता था। दोनों ही स्पष्ट नीति व नियति के कारण खुश रहते थे। समाज में भौतिकता के बजाय अध्यात्मिकता की प्रमुखता थी, हुए वहीं जो राम रचि राखा के भाव से व्यक्ति को जो भी मिलता या नहीं मिलता था। उसी में संतुष्ट



होकर खुश रहता था। आपस में होड़ का सवाल ही नहीं था। व्यक्ति जिम्मेदारी से मेहनत करता, रुखा-सूखा खाता, आनंद

के भाव से जीता तो पत्थर पर भी चैन से सोता था। तनाव या अवसाद या मनोरोग क्या होता है, किसी को जानकारी ही नहीं

होती थी। भौतिकवाद के प्रभाव से आधुनिक जीवनशैली में सुख-समृद्धि ही जीवन का लक्ष्य हो गया है। दिनचर्या में संतुष्टि

व संतुलन की जगह असंतोष व असंतुलन का प्रचलन बढ़ रहा है। आपसी होड़ के कारण अभाव व असंतुलन के लिए निकटवर्ती लोग ही जिम्मेदार लगते हैं। इससे आपस में विद्वेष बढ़ता है। हर व्यक्ति अपनी हैसियत से अपने मान-अपमान का एहसास करने लगा है। अहम ब्रह्मास्मि का भाव था कि अपने अहम को ब्रह्म (समाज) में विलीन कर दो, लेकिन आधुनिक युग में लोगों ने ब्रह्म को अपने अहम में विलीन कर लिया। मैं ही सच हूँ, मैं ही सर्वोत्तम हूँ, व्यक्तित्व का परिचय बन गया है।

शिक्षा एवं व्यवसाय के कारण लोगों को पारिवारिक बंधनों को छोड़कर मूल स्थान से दूर रहने को मजबूर होना पड़ा है। अब विपरीत परिस्थितियों के आने पर व्यक्ति अपने को अकेला पाता है। न तो कोई सलाह देने वाला और न कोई सहयोग करने वाला मिलता।

फलस्वरूप व्यक्ति के अंदर भय व असुरक्षा की भावना घर कर जाती है। जिससे उसके लिए पराजय व असहनशीलता का विचार तनाव या अवसाद का कारण बन जाता है। अब व्यक्ति को अकेलापन एवं अभाव ही जीवन का सहारा लगने लगता है। इससे तनाव एवं अवसाद को फलने - फूलने का मौका मिल जाता है।

प्रायः लोग विपरीत परिस्थितियों से सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करते हुए अपनी दिनचर्या जारी रखते हैं, किन्तु कुछ लोग तनाव एवं अवसाद से पीड़ित हो कर मनोबल टूटने से मनोरोग से ग्रस्त हो जाते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार सन 70 से 80 तक मनोरोगियों में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। तो सन 2000 तक दस प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन उसके बाद प्रतिवर्ष पांच प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

डॉ. नाथ ने बताया कि एक करोड़पति व्यापारी मेरे पास परामर्श के लिए आए, जो अपनी मां की मृत्यु के बाद अवसाद से पीड़ित थे। मैंने उनसे किसी मित्र को तुरंत बुलाने को कहा तो वो असमंजस में पड़ गये। तब मैंने उनसे पत्नी को बुलाने को कहा, लेकिन उनकी कोशिश नाकाम रही। फिर उन्होंने अपने कर्मचारी को बुलाने को पूछा, तो मैंने इंकार कर दिया। उसके बाद एक महीने की दवाईयां लिखकर उनको पुराने मित्रों से मिलने को कहा। चार महीने के इलाज के दौरान ही उन्होंने सोशल मीडिया पर छात्र जीवन के दो मित्रों को ढूँढ़ लिया। आज भी वो मानते हैं कि दवाई से ज्यादा दोस्तों ने उपचार किया।

महामारी कोविड -19 को दो लहरों से मची त्राहि-त्राहि से देश की लगभग दो प्रतिशत आबादी ही बीमारी से ग्रस्त हुई, लेकिन एक सर्वे के अनुसार कोविड की दहशत से मनोबल टूटने के बाद लगभग दस प्रतिशत से अधिक आबादी तनाव

एवं अवसाद से पीड़ित हो गई। कोरोना ने “पांजिटिव” शब्द को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है, आज इस शब्द का कितना “निगेटिव” प्रभाव है, उसका वर्णन शब्दों से परे है।

डॉ नाथ के कुछ डाक्टर साथी हमारी परिचर्चा में शामिल हो गए, इंजेक्शन, आक्सिजन या दवाईयों की कमी से तो त्राहि-त्राहि मची थी, लेकिन आपातकालीन स्थिति बनने का कारण उसकी तुलना में लोगों के टूटे मनोबल से उपजी दहशत एवं असुरक्षा का भाव था। कोविड मरीजों की मनोस्थिति में असंतोष, असुरक्षा के कारण उनका मनोबल खत्म सा हो गया था अन्यथा अस्सी प्रतिशत मरीजों को अस्पताल की जरूरत ही नहीं थी। नकारात्मक मनोस्थिति के कारण मनोबल टूटने से उत्पन्न पराजय एवं भय से जीवन की सार्थकता पर प्रश्नचिन्ह लग जाता है, व्यक्ति अकेलेपन व असंतोष का शिकार होकर मनोरोगी बन सकता है। सभी डाक्टर इस विषय पर एकमत थे। कोरोना के नकारात्मक प्रभाव के कारण एवं निवारण पर परिचर्चा के बाद डॉ नाथ बोले हमको अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कोरोना के भय एवं असुरक्षा या असंतोष को दूर करने के लिए व्यावहारिक उपाय बताने होंगे :-

1- हमें प्राकृतिक एवं अनुशासित जीवन जीना होगा---- जैसे उत्तम स्वास्थ्य के लिए सुबह सूर्योदय के समय धूप में व्यायाम तथा प्राणायाम करना, स्वच्छता के साथ सार्थक भोजन के नियमों का पालन करना।

2- जिंदगी में किसी भी भय या असुरक्षा से पलायन न करके डटकर मुकाबला करते हुए अपने सकारात्मक सोच के साथ जीवन में संतुष्टि व संतुलन बनाए रखना है।

3- जिंदगी में किसी से अपनी तुलना नहीं करें बल्कि अपने ही संसाधनों के साथ ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध व समयबद्ध परिश्रम करें, अनुकूल या प्रतिकूल परिणाम को भगवान की कृपा मानकर शिरोधार्य करें।

4- संपर्क एवं संवाद ही जिंदगी में जिंदादिली के मूल मंत्र है, यदि वास्तविकता में संभव न हो तो फोन से ही पारिवारिक सदस्यों, रिश्तेदारों, निकटवर्ती लोगों विशेषकर दोस्तों से संपर्क एवं संवाद बनाए रखे, इससे अकेलापन तथा असुरक्षा का एहसास नहीं होता। (ओहियो यूनिवर्सिटी, अमेरिका के डॉ जिनिनस तथा डॉ रोनाल्ड ने एक शोध कर जाना कि जो लोग सप्ताह में एक बार भी सामाजिक गतिविधियों में शामिल होते हैं, वे उन लोगों से सुखद, स्वस्थ एवं लम्बा जीवन जीते हैं, जो सामाजिक क्षेत्र में सर्वथा निष्क्रिय रहते हैं।) हमारी मानसिक शांति एवं प्रसन्नता किसी भी बाह्य कारण की मोहताज नहीं है। जीवन की सारी भागदौड़ अपने लिए फील गुड फैक्टर प्राप्त करने के लिए हैं, जिसे प्रत्येक व्यक्ति अपने सकारात्मक मनोबल ऊंचा रखकर ही प्राप्त कर सकता है।

समाज समाचार

* चि. हर्षित मिश्र पुत्र श्री मनोज मिश्र पौत्र स्व. योगेंद्र नाथ मिश्र (मैनपुरी) का शुभ विवाह सौ. शैव्या चतुर्वेदी पुत्री श्री हमेश चतुर्वेदी पौत्री स्व. टीकाराम चतुर्वेदी (मैनपुरी) के साथ मैनपुरी में 25 अप्रैल 2021 को संपन्न हुआ। इस अवसर पर मनोज मिश्रा जी ने 501/- महासभा सहायतार्थ व 501/- पत्रिका सहायतार्थ प्रदान किये।

* सौ. फाल्गुनी पाठक सुपौत्री स्व. श्रीमती शैल - स्व. श्री जगदीश चन्द्र पाठक (आगरा) सुपुत्री श्रीमती जयति एवं पीयूष चन्द्र पाठक (एडवोकेट) का शुभ विवाह चि. कुणाल चतुर्वेदी सुपौत्र स्व. श्रीमती प्रियंबदा - स्व. श्री प्रकाश चन्द्र चतुर्वेदी (कमतरी) सुपुत्र श्रीमती नीलम - स्व. श्री शैलेन्द्र चतुर्वेदी के साथ दिनांक 8 मई 2021 को कानपुर में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर पीयूष चंद्र पाठक (एडवोकेट) एवं श्रीमती जयति पाठक ने 1100/- रुपये महासभा सहायतार्थ और 501/- पत्रिका सहायतार्थ प्रदान किये। - र.क्र.569

* स्वर्गीय श्री देवेन्द्र कुमार चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. यज्ञदत्त चतुर्वेदी (करहल/रिषड़ा, कोलकाता) की स्मृति में उनकी पत्नी श्रीमती मनोरमा चतुर्वेदी द्वारा एक परिवार के लिए पूरे वर्ष की निश्चित राशि अन्नपूर्णा कोष सहायतार्थ 24000/- रुपये प्रदान किए। र.क्र.568

* लेफ्टिनेंट विपुल चतुर्वेदी सुपुत्र हरीश चतुर्वेदी श्रीमती अनुराधा चतुर्वेदी सुपौत्र स्व. उमाशंकर जी चतुर्वेदी एवं स्व. डॉ. कुसुम चतुर्वेदी (पिनाहट/आगरा) ने कंप्यूटर साइंस में बी.टेक करने के उपरांत सी.डी.एस. के द्वारा रक्षा सेवाओं में उपलब्धि हासिल की। 29 मई 2021 को चेन्नई में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद लेफ्टिनेंट विपुल चतुर्वेदी भारतीय सेना के अभिन्न अंग बन गए। विपुल चतुर्वेदी देश के प्रख्यात हास्य व्यंग कवि श्री हरीश चतुर्वेदी एवं (पिनाहट/आगरा) के पुत्र हैं। इस अवसर पर आपने महासभा सहायतार्थ 1001/- रुपये व पत्रिका सहायतार्थ 501/- रुपये प्रदान किए। र.क्र.575

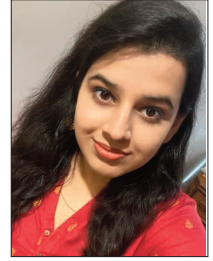
* श्रीमती रजनी एवं श्री गिरीश चतुर्वेदी (मैनपुरी/दिल्ली) की बेटी सुश्री पर्णिका को मिडिल ईस्ट लीगल अवार्ड 2021 में राइजिंग स्टार अवार्ड (प्राइवेट प्रैक्टिस) से सम्मानित किया गया। बधाई।

* डॉ. प्रीति मिश्रा, बीकानेर ने अन्नपूर्णा सहायतार्थ 5000/- रुपये प्रदान किए। - र.क्र. 579

* श्री जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी (सिकंदरपुर खास/ भोपाल) ने अपनी पत्नी स्वर्गीय श्रीमती कस्तूरी चतुर्वेदी की पुण्यतिथि (04.06.21) के अवसर पर उनकी स्मृति में रुपए 5100/- अन्नपूर्णा सहायतार्थ प्रदान किए। - र.क्र.577

* श्रीमति हेमा चतुर्वेदी पत्नी श्री अनुराग चतुर्वेदी (सागर) की स्मृति में श्री विपिन चतुर्वेदी (लखनऊ) ने अन्नपूर्णा सहायतार्थ 2100/- रुपये प्रदान किए। - र.क्र. 578

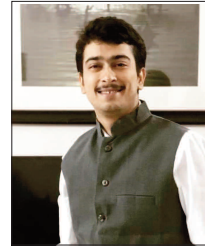
* सुश्री मेघना पुत्री श्रीमती नीता - श्री शिशिर मिश्रा (इटावा/ जालंधर), पौत्री स्व. श्रीमती पुष्पा - श्री कृष्ण मोहन मिश्रा (इटावा/लखनऊ) एवं धेवती स्व. श्रीमती सुधा - स्व. श्री देवेन्द्र नाथ चतुर्वेदी (होलीपुरा /कानपुर) का चयन अमेजन (Amazon) में सॉफ्टवेयर डेवलपर इंजीनियर के पद पर हुआ है।



उन्होंने 26 अप्रैल 2021 को कार्यभार ग्रहण किया। सुश्री मेघना ने वर्ष 2019 में पटियाला स्थित थापर यूनिवर्सिटी से बी.ई., साफ्टवेयर इंजीनियरिंग में किया है। इस अवसर पर शिशिर जी ने 1100/- रुपए महासभा सहायतार्थ एवं 1100/- रुपए पत्रिका सहायतार्थ प्रदान किए। बधाई। - र.क्र.559

* चिरंजीव वेंकटेश चतुर्वेदी पौत्र श्री दिनेश चन्द्र चतुर्वेदी (इटावा), सुपुत्र श्री देवेश एवं शिवानी द्वारा वर्ष 2015 में आई आई टी पटना से बी टेक कर डायरेक्टर्स गोल्ड मैडल प्राप्त किया था. वर्तमान में वह Unacademy में कार्यरत हैं. अब उनका चयन आईएसबी, हैदराबाद में जून सत्र 2021 से प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएशन हेतु हुआ है।

* अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच की कुवैत इकाई की महासचिव श्रीमती अनुपमा चतुर्वेदी पुत्री श्री अनिरुद्ध कुमार चतुर्वेदी लखनऊ को चुना गया। इस मंच की शाखाएं समस्त भारत के हर राज्य एवं विश्व के अनेक देशों में फैली है। श्री नरेश नाज (प्रयागराज) इसके संस्थापक हैं। डॉ. दुर्गा सिन्हा अंतर्राष्ट्रीय सचिव और श्रीमती मधु चोपड़ा, मधुमन इसकी राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। बधाई।



अहमदाबाद

गूगल मीट के माध्यम से मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसकी शुरुआत श्रीमती नमिता जी, कुमारी श्रेया एवं कुमारी सौम्या द्वारा मंगल गायन से की गयी। श्री राजीव जी ने सभी बांधवों को विनय जी के माथुर चतुर्वेदी महसभा कार्यकारिणी के सदस्य बनने की सूचना दी, जिसका सभी ने तालियां बजाकर स्वागत किया। श्री संजय जी द्वारा कार्यकारिणी को भंग कर नयी कार्यकारिणी बनाने का प्रस्ताव रखा तत्पश्चात संजीव जी, अखिल जी, हृदेश जी, राहुल जी, मुकुंद कृष्ण जी द्वारा पुरानी कार्यकारिणी को यथावत रखने का प्रस्ताव रखा। जिसकी सभी ने ध्वनि मत से सहमति दी। अहमदाबाद शाखा में बड़ौदा, एवं आसपास के अन्य बांधवों की सहभागिता को देखते हुए कार्यकारिणी सदस्य बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया। बड़ौदा से श्री नीरज जी द्वारा रंगेश्वर जी के नाम की अनुसंशा की गयी जिसका सभी ने स्वागत किया।

सभी बांधवों ने नयी कार्यकारिणी में श्री संजय जी, श्री राजीव जी, श्री विनय जी एवं श्री रंगेश्वर जी को बधाई एवं अपेक्षित सहयोग हेतु आश्वस्त किया तथा शाखा को आर्थिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। श्री संजीव जी द्वारा सुन्दर काव्य रचना की प्रस्तुति के बाद व्यक्तिगत मिलने की अभिलाषा के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

- संजय चतुर्वेदी

कोटा

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा कोटा की नव निर्वाचित कार्यकारिणी की पहली बैठक श्री विनय चतुर्वेदी की अध्यक्षता में चतुर्वेदी सभा भवन में दिनांक 6 फरवरी 2021 को आयोजित की गई। सभा में सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी उपस्थित थे। विस्तार से विचार विमर्श और संबंधित से सहमति लेने के पश्चात सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार किया गया और निम्न पदाधिकारियों तथा कार्यकारिणी सदस्यों के नाम घोषित किये गये।

संरक्षक : डॉ. कमलकिशोर जी, ललित जी, कमलेश रावत जी।

उपाध्यक्ष: आदित्य जी, कौशलकिशोर जी, पूनम जी, डॉ. दयानंद जी, शशिकांत जी

कार्यकारिणी सदस्य: सर्वश्री आनंद जी, श्याम मनोहर जी, सत्येन्द्र जी, मुनीष जी, दीपक जी, कमलेश जी, मुकेश जी, सतीश जी, प्रीतकमल जी, प्रशांत जी, विजय जी, राजेन्द्र जी, प्रेमचंद जी, राजेश, ओमप्रकाश जी, आशीष जी, कमलकुमार जी, फणीभूषण जी।

इस बार समाज के कुछ प्रतिष्ठित व प्रबुद्ध बांधवों व बहनों को “स्थाई विशेष आमंत्रित” के रूप में कार्यकारिणी बैठकों में आमन्त्रित करते रहने का निर्णय किया है, ताकि उनके अनुभव, ज्ञान तथा क्षमता का लाभ प्राप्त कर समाज को लाभान्वित किया जा सके। इन नामों को अगली बैठक में अन्तिम रूप दिया जावेगा। श्रीमती आशा जी प्रभारी महिला प्रकोष्ठ ने अपने प्रकोष्ठ के सदस्यों के नाम घोषित कर दिये हैं तथा श्री तरुण चतुर्वेदी प्रभारी युवा प्रकोष्ठ द्वारा अपने प्रकोष्ठ-सदस्य चयन की प्रक्रिया जारी है तथा उसे चर्चा उपरांत शीघ्र अन्तिम रूप प्रदान कर दिया जावेगा। महासचिव आलोक जी द्वारा बताया गया कि अपने चतुर्वेदी सभा भवन के विस्तार, मेडिकल व जाँच शिविर लगाने, समाज में विवाह विच्छेद के बढ़ते मामलों का साथ बैठकर निस्तारण, नियमित योग शिविर, फिरोजाबाद क्रिकेट टीम भेजने, समाज के बेरोजगार युवकों को उचित मार्गदर्शन आदि विषयों पर सम्पूर्ण कार्यकारिणी की अगली बैठक के लिये एजेंडा तय किया गया है और अगली बैठक में इसपर विस्तार से विचार किया जावेगा।

- आलोक चतुर्वेदी, महासचिव

कोटा - बसन्तोत्सव

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा कोटा के महिला प्रकोष्ठ ने दिनांक 21 फरवरी 2021 को चतुर्वेदी सभा भवन में बसन्तोत्सव उल्लासपूर्वक मनाया। महिला प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती आशा जी के साथ कोटा के चतुर्वेदी समाज की महिलाओं ने बसंत के स्वागत के साथ माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में वरिष्ठ मातृ शक्ति का सम्मान करते हुए कालिन्दी जी, साधना जी, राजकुमारी जी तथा रेखा जी को विशिष्ट अतिथी के रूप आमन्त्रित किया तथा उन्होंने माँ सरस्वती की पूजा व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आरम्भ किया। उपस्थित सभी महिलाओं ने पीत वर्ण के परिधान तथा श्रृंगार कर मानो प्रकृति के ऋतुराज बसन्त के रंग में अपनी उमंग का रंग मिला दिया हो। महिलाओं ने बड़े उत्साह से ढोल मजीरों से गीत संगीत, भजनों से सामूहिक रूप से ऋतुराज बसन्त का स्वागत किया। ढोलक पर रचना जी की थाप और संगठन सचिव अर्चना जी के साथ सामूहिक स्वर में गाए माता के भजनों में बसंत का रंग घुल रहा था। “मिसेज बसन्त प्रतियोगिता” में सोनिया जी को उनके श्रेष्ठ विन्यास के लिए सर्वसम्मति से मिसेज बसन्त की उपाधि से सम्मानित व पुरुस्कृत किया।

कार्यक्रम में मनोरंजन के लिए रचना जी, रूपा जी और प्रिया जी ने रोचक खेलों का आयोजन करवाया। जिसमें प्रथम

स्थान पर क्षमा जी व अनुपमा जी और द्वितीय स्थान अनिता जी व रेणु जी रही। विशिष्ट अतिथियों ने उन्हें आकर्षक उपहार प्रदान किए। कार्यक्रम का काव्यमय संचालन डॉ. अनुपमा जी ने किया। प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती आशा चतुर्वेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्री माथुर चतुर्वेदी सभा का महिला प्रकोष्ठ अपनी भूमिका बहुत अच्छी तरह से सामूहिक रूप से निभाएगा। इसके उपरान्त शाखासभा के अध्यक्ष विनय चतुर्वेदी व महासचिव आलोक चतुर्वेदी की सहमति से उन्होंने अपने प्रकोष्ठ का विस्तार किया जिसमें रूपा जी, रेणु जी, नीरजा जी, रचना जी, प्रिया जी, कंचन जी, सोनिया जी, मोनिका जी, दिप्ती जी व रंजना जी को कार्यकारिणी सदस्य व डॉ. अनुपमा जी, अरूणा जी व सुषमा जी को विशेष आमन्त्रित सदस्य के रूप में शामिल करने की घोषणा की। पूरी प्रकोष्ठ कार्यकारिणी का विशिष्ट अतिथियों ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। सुषमा जी ने एक लम्बे कोरोनाकाल के बाद इतने भव्य बसन्तोत्सव कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने और इसे सफल बनाने के लिये समाज की सभी सहयोगिनी बहनों को बधाई दी। पीला रंग शुभता का प्रतीक है और इस नई शुरुआत के साथ आगे भी ऐसे अवसर आते रहें, जीवन से नीरसता दूर होती रहे इसी आशा से आशा और उसकी टीम को बधाईयाँ।

— आलोक चतुर्वेदी, महासचिव
दिल्ली

रविवार 14 मार्च 20 21 को लगभग 1 वर्ष के कोरोकाल के बाद श्री माथुर चतुर्वेदी शाखा सभा दिल्ली का होली मिलन कार्यक्रम खान मार्केट, दिल्ली में आयोजित हुआ। सभी बंधुओं का चंदन लगाकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। स्वल्पाहार के उपरांत होलियों का गायन प्रारंभ हुआ। होलियों की शुरुआत श्री गणेश जी की होली से हुई, तत्पश्चात सुमंगल दाहिने से प्रारंभ होकर काफी, दीपचंदी, पीलू, धमाल, चाल, चलती, रसिया, बिहाग आदि रागों में होलीओं का गायन हुआ। होलियों में श्री अशोक जी, नलिन जी, मनीष जी, डॉक्टर प्रदीप जी (सभापति, महासभा), विपिन जी, विवेक जी (मुक्की), प्रदीप जी (संजू), धर्मेश जी, मुदित जी, लोकेंद्र जी एवं श्रीमती अनीता जी, विभा जी, जूही जी, पल्लवी जी, रचना जी, बिंदु जी, नंदिनी जी, सुरभि जी एवं अन्य उपस्थित बंधुओं व महिलाओं ने होली गायन कर समा बांध दिया।

डॉ. प्रदीप जी (सभापति, महासभा) एवं मुनींद्र नाथ जी (मंत्री, महासभा) ने भी इस होली मिलन समारोह में सम्मिलित होकर व होली गायन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। डॉ. प्रदीप जी को दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा सभा की ओर से स्वागत कर मालाएं पहनाई गई। डॉ. प्रदीप जी ने दिल्ली सभा के अध्यक्ष श्री महेश जी व उपस्थित सभी बाँधवों को होली की

बधाई दी। महेश जी ने इस अवसर पर प्रस्ताव रखा कि दिल्ली एनसीआर की सभी शाखा सभाएँ सामूहिक दीपावली मिलन पर विचार करें एवं आयोजन करें। सभी ने इस होली मिलन के लिए महेश जी, लोकेंद्र जी, कौशल जी, ज्ञानेंद्र जी, सुधांशु जी, पवित्र जी, दिवाकर जी एवं पूरी टीम को धन्यवाद दिया।

— लोकेंद्र नाथ चतुर्वेदी, सचिव, दिल्ली सभा
आगरा

श्री अंकुर चतुर्वेदी पुत्र श्री अरुण कुमार चतुर्वेदी (मैनपुरी/प्रयागराज/आगरा) को युवा चतुर्वेदी मंच, आगरा का सर्वसहमति से अध्यक्ष चुना गया। नव-निर्वाचित अध्यक्ष पूर्व में चतुर्वेदी युवा मंच के महत्वपूर्ण पद का निर्वाह करते हुए अपनी संगठनात्मक, रचनात्मक तथा क्रियान्वयन क्षमता का परिचय दे चुके हैं। युवा चतुर्वेदी मंच, आगरा के अध्यक्ष का चयन दिनांक 21 फरवरी 2021 को रेंडिकॉन सिक्पोरिटी सर्विसेज, सेंट जोन्स कॉलेज चौराहा, आगरा पर सम्पन्न हुआ। जिसमें निवर्तमान अध्यक्ष श्री आशीष चतुर्वेदी जी का पूर्ण सहयोग रहा। अध्यक्ष चयन पश्चात दिनांक 21.03.2021 को युवा चतुर्वेदी मंच, आगरा कार्यकारिणी का गठन किया गया जो निम्न प्रकार हैं

अध्यक्ष- अंकुर चतुर्वेदी, महामंत्री - रोहित चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष - सावन चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष - मोहित चतुर्वेदी (सेंट जॉन्स), आलोक चतुर्वेदी, आशुतोष चतुर्वेदी, प्रखर चतुर्वेदी, सहकोषाध्यक्ष - अंकुर चतुर्वेदी (बल्केश्वर), मंत्री - हिमांशु चतुर्वेदी, सुमित चतुर्वेदी, अक्षय चतुर्वेदी, प्रतीक चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी - सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आई.टी

- यश चतुर्वेदी (नगलापदी), सांस्कृतिक एवं प्रचार सचिव - उत्सव चतुर्वेदी, चिकित्सा प्रकोष्ठ डॉ. सुगंध चतुर्वेदी, डॉ. आकाश चतुर्वेदी।

कार्यकारिणी सदस्य - शुभम चतुर्वेदी, आदर्श चतुर्वेदी, अनमोल चतुर्वेदी, आभास चतुर्वेदी, शाश्वत चतुर्वेदी, शिवांग चतुर्वेदी, कुशाग्र चतुर्वेदी, रोहित चतुर्वेदी (फतेहाबाद रोड)

आगरा

वर्तमान में युवा चतुर्वेदी मंच, आगरा के संरक्षक, लोकप्रिय नेता ललित चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री कोमल चंद्र चतुर्वेदी (होलीपुरा/कोलकाता/आगरा) को श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, आगरा के चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। नव-निर्वाचित अध्यक्ष ललित जी पूर्व में युवा चतुर्वेदी मंच, आगरा के अध्यक्ष व अन्य पदों को सुशोभित करते हुए अपनी संगठनात्मक, रचनात्मक तथा क्रियान्वयन क्षमता का परिचय दे चुके हैं। आप भारतीय जनता युवा मोर्चा, आगरा एवम भारतीय जनता पार्टी, आगरा में विभिन्न दायित्वों को निभाते

हुए वर्तमान में भाजपा की सक्रिय राजनीति कर रहे हैं। श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, आगरा के अध्यक्ष का चुनाव दिनांक 14 मार्च 2021 को स्पेक्ट्रा किड्स स्कूल, शास्त्रीपुरम, आगरा पर सम्पन्न हुआ। चुनाव को संचालन समिति डॉ. प्रवीनजी, जितेन्द्रनाथजी, प्रदीपजी 'लालन', शशिकान्तजी, के द्वारा सम्पन्न करवाया गया। जिसमें निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश जी का अपनी पूरी कार्यकारणी के साथ पूर्ण सहयोग रहा। नई कार्यसमिति का प्रारूप निम्न प्रकार है :-

अध्यक्ष - ललित कुमार चतुर्वेदी

उपाध्यक्ष - आनंद जी, रमाकांत जी, अनुराग जी (पार्षद), हर्ष मोहन जी

महामंत्री - पुनीत कुमार जी, कोषाध्यक्ष - रोहित जी, सह-कोषाध्यक्ष - सौरभ जी

मंत्री - पदम जी (बलकेश्वर), अनुराग जी, अमित जी, आशीष जी ऑडिटर - गौरव जी, स्थाई आमंत्रित सदस्य - डॉ. कपिल जी, अरविंद चतुर्वेदी जी, करुणेश जी, आशीष जी (लॉयर्स कॉलोनी), आशुतोष पाठक जी, प्रवीन जी, अमित जी, गौरव जी, विशेष आमंत्रित सदस्य - अंकुर जी, रोहित जी, राकेश जी (कमला नगर), विकास जी (बसंत), राजीव जी, मीडिया प्रकोष्ठ- हेमेंद्र जी, विशाल जी (पुरा), पराग जी (पिंटू), महिला प्रकोष्ठ - रेनू जी, अलका जी, सुधा जी, अरुणा जी, वंदना जी, क्षमा जी, डॉ. क्षमा जी (कमला नगर), चिकित्सा प्रकोष्ठ - डॉ. हेमेंद्र जी, डॉ. निखिल जी, डॉ. मनोज जी, डॉ. सौरभ जी, डॉ. संगीता जी, विधि प्रकोष्ठ - ज्ञानीश जी, मुकुल जी, भारती जी, भूपेंद्र जी, मनोज जी,

- पुनीत चतुर्वेदी, महामंत्री

आगरा

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा, आगरा एवं युवा चतुर्वेदी मंच, आगरा के संयुक्त तत्वाधान में भारत के प्रधान सेवक श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के कोरोना के टीके को लगवाने हेतु 11 अप्रैल से 14 अप्रैल 2021 तक टीकोत्सव आहवान पर टीकाकरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत टीकोत्सव कार्यक्रम में कोरोना वैक्सीनेशन कैंप गांधीनगर स्थित नगरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. संजय चतुर्वेदी के सहयोग से आज दिनांक 13 अप्रैल 2021 दिन मंगलवार को लगवाया गया। टीकोत्सव कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय विधायक द्वय श्री पुरुषोत्तम खंडेलवाल एवं श्री रामप्रताप चौहान ने संयुक्त रूप से किया। विधायक द्वय ने कैंप में उपस्थित लोगों को कहा कि कोरोना की यह दूसरी लहर पहले से भी खतरनाक तरीके से फैल रही है और इससे बचाव के लिए 2 गज की दूरी, मास्क है जरूरी एवम सेनेटाइजर का उपयोग और अब सबसे जरूरी है टीकाकरण करवाना। टीका लगवाने से शरीर में रोग-

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और कोरोना का विषाणु अपनी पूरी क्षमता से वार करने के बाद भी शरीर के भीतरी अंगों को नुकसान नहीं पहुँचा पाता है। इसलिए सरकार द्वारा बनाई गई गाइड लाइन के अनुसार सभी लोग अपना-अपना टीकाकरण करवाएं और देश एवम समाजहित में कार्य करें। कैंप में लगभग 160 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगवाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री अनुराग जी (पार्षद), हर्षमोहन जी, महामंत्री श्री पुनीत जी, रोहित जी, सौरभ जी, अनुराग जी, आशीष जी अंकुर जी, मोहित जी, सावन जी, आलोक जी, रोहित जी, सिद्धार्थ जी आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

- अंकुर चतुर्वेदी, आगरा

कानपुर

दिनांक 30 मई 2021 को श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा एवं कानपुर सभा की जूम पर ऑन लाइन समन्वय संवाद बैठक सम्पन्न हुई। महासभा के मंत्री श्री मुनीन्द्र जी द्वारा बैठक की शुरुआत की गई। मंत्री जी ने कानपुर सभा के सदस्यों को कानपुर समाज में सराहनीय योगदान के लिए आभार प्रकट किया। महासभा मंत्री मुनीन्द्रनाथ जी ने बताया कि संवाद श्रृंखला के इस दूसरे चरण में इसकी शुरुआत कानपुर सभा से की जा रही है। क्योंकि कानपुर सभा का महासभा में सदा अग्रणी योगदान रहा है। तदुपरांत अध्यक्ष श्री प्रदीप जी द्वारा महासभा द्वारा आयोजित एवं प्रायोजित योजनाओं के बारे में अवगत कराया और कानपुर सभा के सदस्यों से उनके सुझाव माँगे। कानपुर सभा की तरफ से सभी ने समाज की उन्नति व समाजहित में अपने बहुमूल्य सुझाव दिए गए। जिसकी सभापति प्रदीप जी, मंत्री एवं बैठक में शामिल सभी बांधवों ने सराहना की। बैठक में बैंगलोर से शामिल हुए मनोज जी बहुत अच्छे सुझाव दिये। बैठक में अध्यक्ष प्रदीप जी ने महासभा की कई योजनाओं के बारे में बताया। जनगणना पर शीघ्रता से कार्य करने को कहा। चिकित्सा प्रकोष्ठ की चर्चा की गई। जिसमें संजय जी ने सुझाव दिया कि चिकित्सा प्रकोष्ठ हर शहर में बनाना चाहिए। जिससे कि अपने समाज के अपने डॉक्टरों से वार्ता कर उचित व त्वरित इलाज कर स्वास्थ्य लाभ लिया जा सके। भरत जी (रिषड़ा), आशुतोष जी (कानपुर) ने कलेंडर के संबंध में अपने सुझाव दिए। शशांक जी ने पत्रिका के आगामी अंक के प्रकाशन के बारे में जानकारी दी। कानपुर अध्यक्ष विजय शंकर जी ने संपादक के कर्तव्य व अधिकार के बारे में महासभा संविधान के अंतर्गत निहित प्रावधानों की जानकारी देने का अनुरोध किया गया। जिसका सभापति जी ने विस्तार से उत्तर दिया। बैठक में महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जी, मंत्री मुनीन्द्र जी, बैंगलोर से मनोज जी, कलकत्ता से भरत जी एवं भोपाल से चतुर्वेदी चंद्रिका के सम्पादक शशांक जी एवं

कानपुर सभा के संरक्षक अविनाश जी, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक धीरेन्द्र जी, अध्यक्ष विजय शंकर जी, मन्त्री प्रवेश जी के अलावा आशुतोष जी, नीलिमा जी, अनूप जी एवं संजय मिश्रा जी शामिल रहे।

कोरोना काल जिसके कारण सभी व्यवस्थायें बिगड़ी हुई है। उन परिस्थिति में भी महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जी ने ज़ूम के माध्यम से बैठक करा कर महासभा से शाखा सभा का संवाद कर एक अनोखी पहल की शुरुवात की है। बैठक के अंत में सभा के अध्यक्ष विजय शंकर जी की पत्नी श्रीमती आशा जी, प्रवेश जी के भाई व कानपुर के अन्य दिवंगत बंधुओं को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

- संजय मिश्रा, कानपुर

गुरुग्राम

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा गुरुग्राम के वर्तमान अध्यक्ष श्री मनोरंजन चतुर्वेदी जी का स्वर्गवास दिनांक 28 अप्रैल को स्वर्गवास हो गया। उनको अंतिम श्रद्धांजलि देने हेतु हमने एक शोक सभा ज़ूम पर दिनांक 2, मई 2021 06:00 बजे आयोजित की थी। जिसमें गुरुग्राम समाज द्वारा संकलित एक स्मरणीय भावुक चलचित्र की प्रस्तुति की गई थी। उसके उपरांत शाखा सभा ओर से गुरुग्राम के प्रणव जी, श्री अनुराग जी, मनोज जी, नीलकांत जी, मधुकर जी और अभय राज जी ने श्रद्धांजलि और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

गुरुग्राम सभा के अपने संक्षिप्त अध्यक्षीय कार्यकाल में लगातार पाँच महीने ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। जिसमें हर बर्ग के बच्चों, सीनियर सिटीजन, महिलाओं, युवा वर्ग के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसे सर्वत्र समाज द्वारा सराहा। इसी दौरान कोरोनाकाल में कई दिनों तक जरूरत मंदों को दूध ब्रेड का भी आपके नेतृत्व में वितरण किया गया। गुरुग्राम चतुर्वेदी समाज ने अपने अध्यक्ष को ही नहीं अपितु एक सकारात्मक और क्रियावान व्यक्तित्व को खो दिया। गुरुग्राम सभा के अलावा श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा की तरफ श्री मुनीन्द्र नाथ चतुर्वेदी (सचिव महासभा), महेश जी, विष्णू कान्त जी, श्री शशांक चतुर्वेदी (संपादक, चतुर्वेदी चंद्रिका), ज्ञानेन्द्र जी (नागपुर) ने मनोरंजन जी के साथ बिताए अनुभव को साझा किये। मनोरंजन जी के परिवार की तरफ से मुकेश जी (बड़े भाई) आगरा, श्रीमति माधुरी (प्रयागराज), आशीष जी, अस्मिता जी और उनके पुत्र श्री अंकित चतुर्वेदी जी ने सभी को पुरानी यादों को संजोने और सभा द्वारा शोक सभा के आयोजन लिए आभार प्रेषित किया। शोक सभा में पंकज जी (तालगांव), यतीन्द्र नाथ जी, श्री योगेन्द्र नाथ जी, श्री नरेंद्रनाथ जी, डा. शरद जी, देवेन्द्र जी, सुभाष जी, नीरज जी, अनिल जी, प्रफुल्ल जी, पंकज जी, राहुल जी, गौरव

चतुर्वेदी, शिप्रा जी, नीतिका जी, पूनम जी, इला जी आदि शामिल हुये।

- अभय राज चतुर्वेदी (सचिव)
भोपाल

श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में भोपाल चतुर्वेदी समूह गुईया द्वारा मातृ दिवस के अवसर पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दिनांक 9 मई 2021 को मातृ दिवस पर हमारी संस्कृति हमारी धरोहर के अंतर्गत भोपाल चतुर्वेदी महिलाओं के समूह गुईया द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम ऑनलाइन संपन्न किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के सचिव श्री मुनींद्र नाथ चतुर्वेदी एवं विशेष अतिथि चतुर्वेदी चंद्रिका के संपादक आदरणीय शशांक चतुर्वेदी थे। कार्यक्रम में भोपाल के साथ देश भर की बहनों ने भागीदारी की तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन द्वारा किया गया। अतिथियों के मंचासीन होने



के पश्चात उन बहनों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने कोरोना को जंग में हराकर विजय प्राप्त कर स्वस्थ होकर घर वापसी की थी। उन्होंने अपने आत्मबल व साहस से कोरोना को हराया। मुख्य अतिथि आदरणीय मुनींद्र जी ने बहनों को मार्गदर्शन दिया एवं उत्साहवर्धन किया। आपने कहा ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की तथा विष्णु जी ने उसका पालन पोषण किया उसी तरह से माँ से बढ़कर दुनिया में और कोई नहीं। सृष्टि की रचयिता माँ और पालक भी माँ है, इसलिए माँ ब्रह्मा और विष्णु दोनों का रूप है। मातृ दिवस के अवसर पर मैं सबको शुभकामनाएं देता हूँ। चतुर्वेदी गुईया के कार्य की सराहना करता हूँ कि वह निरन्तर बहनों को संगठित कर एक मंच पर ला रही है।

उसके पश्चात कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ बहनों ने माँ के ऊपर एक से एक सुन्दर प्रस्तुतियाँ दी। अपने परिवार के साथ उन्होंने चित्र भी डालें तथा दो छोटी बच्चियों ने अपनी माँ के चित्र हाथ से बनाकर प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विनीता जी (देहरादून), बीना जी (हेदराबाद), बीनू जी (झांसी), कुमकुम जी (कानपुर), जगदंबा जी (कोलकाता), संध्या जी (ग्वालियर), अंजू जी (रिषड़ा), नीलिमा जी व शिवानी जी (कानपुर), प्रतिमा जी फिरोजाबाद, आशा जी व ज्योति जी (कासगंज), प्रीति जी (सिवनी), नीमा जी (दिल्ली), पिकू जी (साहिबाबाद), गरिमा जी (कानपुर) रेखा (मंसूरी), इंदू जी (नोएडा) एवं राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की सदस्य बहनों ने

कार्यक्रम का आनंद लिया। अतिथियों का स्वागत श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी, श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी एवं डॉ. उन्नति चतुर्वेदी (सीहोर) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती उषा चतुर्वेदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा एवं कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती मनीषा चतुर्वेदी (भोपाल) द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में चतुर्वेदी चंद्रिका पत्रिका के संपादक शशांक जी द्वारा कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा इस मनोहारी कार्यक्रम में मुझे शामिल करने का जो अवसर आपने प्रदान किया। इसके लिए आप लोगों का धन्यवाद। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन भोपाल की वरिष्ठ सदस्य आदरणीय शारदा जगदीश चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम के अंत में कोरोना काल में हुई समाज की दिवंगत बहनों एवं बंधुओं को श्रद्धांजलि देकर कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन के पश्चात बहनों ने अपनी अपनी प्रतिक्रियाएं दी।

- श्रीमती उषा चतुर्वेदी,
राष्ट्रीय संयोजक महिला प्रकोष्ठ

नासिक

श्री माथुर चतुर्वेदी सभा नासिक शाखा का दिनांक 13 मार्च 2021 को श्री मुकुल चतुर्वेदी के निवास स्थान पर होली मिलन में नासिक सभा की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष श्री हेमंत चौबे, महामंत्री श्रीमती वंदना चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष श्री आलोक चतुर्वेदी, सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती पारुल चतुर्वेदी व श्रीमती अमृता चतुर्वेदी एवम गिरिराज जी, मुकुल जी, रिशेष जी, अभिनव जी, भुवन जी, राहुल जी, वरुण जी, निशीथ जी, गुंजन जी पुरूष प्रकोष्ठ के सदस्य मनोनीत हुए व शोभा जी, आभा जी, प्रीति जी, रश्मि जी, प्रीति जी, सुजाता जी, लता जी, प्रियंका जी, अंकिता जी, राखी जी, हिना जी महिला प्रकोष्ठ के सदस्य बनाए गए। कार्यक्रम की शुरुआत होली गायन के साथ हुई व पारंपरिक गीतों के व स्वल्पाहार के साथ पूर्ण कोरोना नियमों के अधीन सभा सानंद संपन्न हुई।

- हेमंत चौबे, अध्यक्ष

समाज समाचार

चि. मोहित चतुर्वेदी सुपुत्र श्री नवीन चतुर्वेदी (मैनपुरी / चेन्नई) का शुभ विवाह सौ. आकांक्षा चौबे सुपुत्री श्री नगेंद्र नाथ चौबे (पुरा कन्हैरा/गोंदिया) के साथ दिनांक 30 अप्रैल 2021 को चेन्नई में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नवीन जी ने पत्रिका सहायतार्थ 2501/- रुपये प्रदान किए। - र.क्र. 560

श्री जयंत कुमार चतुर्वेदी (इटावा/ लखनऊ) ने अपने जीवन के 75 वर्ष पूर्ण करने के शुभ अवसर पर महासभा को अन्नपूर्णा सहायतार्थ 7575/- रुपए प्रदान किए।



चि. राहुल चतुर्वेदी सुपुत्र श्री अभय चतुर्वेदी (इटावा/आगरा) ने अपने निवास पर नर्वदेश्वर महादेव शिवलिंग की स्थापना की व मंदिर निर्माण अपने पूर्व स्व. श्री मुन्ना लाल चतुर्वेदी व स्व. श्रीमती कश्मीरी चतुर्वेदी की स्मृति में दिनांक 11:03 2021 को महाशिवरात्रि के अवसर पर करवाया। ॐ नमः शिवायः

-र.क्र.566

कु. पंखुरी चतुर्वेदी सुपुत्री श्री अनुराग चतुर्वेदी - गुंजन चतुर्वेदी (होलीपुरा/गाजियाबाद) ने टेलीविजन परिचर्चा (एबीपी लाइव) पर, कक्षा 12 की परीक्षाओं के मूल्यांकन के प्रस्ताव पर अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मित्रेश चतुर्वेदी जी द्वारा ब्राह्मण समाज के लिए सदैव तत्पर रहने वाले समर्पित समाजसेवी श्री संजय चतुर्वेदी को फरीदाबाद जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।



श्री मेजर उदित चतुर्वेदी पुत्र श्री आदित्य कुमार चतुर्वेदी सुपौत्र स्व. श्री दयाशंकरजी चतुर्वेदी (कोटा) की भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल पद पर पदोन्नति हो गई है। वे वर्तमान में गोवाहाटी (आसाम) में पदस्थ है। इस अवसर पर श्री आदित्य जी चतुर्वेदी ने महासभा को 1100/- तथा शाखा सभा कोटा को 1100/- रु. सहयोगार्थ प्रदान किये। बधाई।

- र.क्र.584

शोक समाचार

- * श्री मुकुल चतुर्वेदी पुत्र स्व० करुणेश जी (होलीपुरा/ दिल्ली) का देहावसान दिनांक 25 फरवरी 2021 को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हो गया।
- * श्रीमती कृष्णा चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय श्री प्रकाश चंद्र चतुर्वेदी (दानपुर/दिल्ली) का स्वर्गवास दिनांक 27.02.21 को उनके पुत्र श्री पल्लव चतुर्वेदी पश्चिम विहार, दिल्ली के पास हो गया।
- * श्री कुंदन लाल जी चतुर्वेदी (होलीपुरा/मथुरा/ दिल्ली) का देहावसान दिनांक 28 फरवरी की दिल्ली में हो गया आप श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा के सभापति डॉ. प्रदीप जी के पिता थे। आप विगत कुछ समय से अस्वस्थ थे।
- * श्री राजीव चौबे पुत्र स्व. प्रताप नारायण चौबे (मिर्जापुर/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 04 मार्च 2021को हो गया।
- * श्री अनिल चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. रामस्वरूप जी (कछपुरा/लखनऊ) का स्वर्गवास 74 वर्ष की आयु में दिनांक 6 मार्च 2021 को लखनऊ में हो गया।
- * श्री मिथिलेश चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री बालक राम चतुर्वेदी (बिजकौली/आगरा) का स्वर्गवास दिनांक 10 मार्च, 2021 को हो गया।
- * श्रीमती मृदुला पत्नी श्री ललित चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 11 मार्च 2021 को कोटा में हो गया।
- * श्रीमती सुभद्रा चौबे पत्नी स्व. श्री देवकी नन्दन चौबे (देवास/जयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 12 मार्च 2021 को 96 वर्ष की आयु में जयपुर में स्वर्गवास हो गया।
- * श्री विशम्भर नाथ चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री तपस्वी लाल चतुर्वेदी (करौली) का दिनांक 12 मार्च 2021 को करौली में हो गया।
- * श्री विशम्भरनाथ चतुर्वेदी निवासी करौली(राजस्थान) का 79 वर्ष की उम्र में दिनांक 14 मार्च 2021 को करौली में निधन हो गया।
- * श्रीमती मृदुला (निधी) पत्नी श्री ललितकुमार चतुर्वेदी (आगरा/कोटा) का स्वर्गवास दिनांक 15 मार्च 2021 को कोटा में हो गया।
- * श्री मधुकर चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री तनसुखराय जी (चंद्रपुर/आगरा) का स्वर्गवास दिनांक 16 मार्च, 2021को हो गया।
- * श्री प्रदीप चतुर्वेदी सुपुत्र श्री हृदयनाथ चतुर्वेदी (होलीपुरा/भोपाल) का असामयिक स्वर्गवास दिनांक 17 मार्च 2021 को लगभग 56 वर्ष की आयु में भोपाल में हो गया।
- * श्री मुरलीमनोहर चतुर्वेदी निवासी कोटा का देहावसान 72 वर्ष की आयु में ग्वालियर में 17 मार्च 2021 को हो गया।
- * श्री प्रेमबाबू चौबे पुत्र स्व. श्री बद्रीलालजी चौबे (नशीराबाद जलगांव/नीमच) का निधन लम्बी बिमारी के बाद दिनांक 17 मार्च 2021 को नीमच म.प्र. में हो गया।
- * श्रीमती शान्ति देवी पत्नी स्व. नरेश चन्द्र, पूर्व सांसद चतुर्वेदी (शाहबाद/कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 23 मार्च 2021 को कानपुर में हो गया।
- * श्रीमती शांति देवी पत्नी स्व. कृष्ण कुमार जी आयु 87 वर्ष (मथुरा/ग्वालियर) का स्वर्गवास दिनांक 26 मार्च 2021 को ग्वालियर में हो गया।
- * श्री अभिषेक चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. श्री योगेश चतुर्वेदी (कोटा/इंदौर) का स्वर्गवास दिनांक 30 मार्च 2021 को 32 वर्ष की अल्पायु में इंदौर में हो गया।
- * श्री निर्मल कुमार चतुर्वेदी पुत्र स्वर्गीय नित्यानंद जी (फरीजाबाद/ इलाहाबाद) का स्वर्गवास दिनांक 30 मार्च 2021 प्रयागराज में हो गया।
- * श्री अशोक चतुर्वेदी (पिनाहट/भोपाल) का स्वर्गवास 02 अप्रैल 2021 को भोपाल में हो गया।
- * श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. महेन्द्र नाथ 'विमलेश' (होलीपुरा /कलकत्ता) का स्वर्गवास 85 वर्ष की आयु में दिनांक 5 अप्रैल 2021 को कोलकाता में हो गया है।
- * श्री रविन्द्र नाथ चतुर्वेदी (मैनपुरी/रायपुर) का स्वर्गवास दिनांक 7 अप्रैल 2021 को रायपुर में हो गया।
- * श्री पुनीत चतुर्वेदी पुत्र श्री मोहन स्वरूप चतुर्वेदी (मैनपुरी/इटावा) का असामयिक स्वर्गवास 8 अप्रैल 2021 को 53 वर्ष की आयु में इटावा में हो गया।
- * श्रीमती शीला चतुर्वेदी पत्नी स्व० डॉ० शम्भू नाथ चतुर्वेदी (मुरादाबाद/ जयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 09 अप्रैल 2021 को लगभग 88 वर्ष की आयु में जयपुर में हो गया।
- * श्री विनीत चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. श्री महेश चन्द्र जी (हाथरस/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 10 अप्रैल 2021 को 70 वर्ष की आयु में हो गया।
- * श्रीमती रेनू चतुर्वेदी पुत्री स्व. शरद चंद्र चतुर्वेदी (पिनाहट/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 11अप्रैल 2021 को लखनऊ में स्वर्गवास हो गया।
- * श्री वीरेश मिश्र पुत्र स्व. खरगजीत मिश्र (मैनपुरी) का स्वर्गवास दिनांक 11 अप्रैल 2021 को मैनपुरी में हो गया।
- * श्रीमती वंदना चतुर्वेदी पत्नी श्री राजीव चतुर्वेदी (बटेश्वर/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 12 अप्रैल 2021 को लखनऊ में हो गया।
- * श्रीमती श्यामलता चतुर्वेदी पत्नी श्री रघुनाथदास चतुर्वेदी पूर्व संरक्षक शाखा सभा कोटा का देहावसान दिनांक 12 अप्रैल 2021 को 92 वर्ष की उम्र में कोटा में हो गया। आप शाखासभा कोटा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अतुल चतुर्वेदी की माताजी थी।
- * श्रीमती नमिता चतुर्वेदी पत्नी श्री दिनकर राव चतुर्वेदी (फरौली) का असामयिक स्वर्गवास दिनांक 13 अप्रैल 2021 को फरौली में हो गया। आप महासभा का सदस्य दिनकर राव जी की पत्नी थी।
- * श्रीमती शशिबाला पत्नी स्व.श्री कन्हैया लाल जी "कन्हई दद्व" (होलीपुरा/लखनऊ) का स्वर्गवास 15 अप्रैल 2021 को स्वर्गवास हो गया।
- * श्रीमती शारदा चतुर्वेदी पत्नी श्री सुनील चतुर्वेदी (नागपुर) सुपुत्री स्व. श्री देव कृष्ण चतुर्वेदी (होलीपुरा) का स्वर्गवास 15 अप्रैल

चतुर्वेदी चन्द्रिका

- 2021 को हो गया। आप नागपुर शाखा सभा की सदस्या थी।
- * श्रीमती रिकी चतुर्वेदी (मिश्रा) पत्नी श्री राजकमल चतुर्वेदी (अनूपशहर/भोपाल) का असामायिक स्वर्गवास दिनांक 16 अप्रैल 2021 को प्रातः भोपाल में हो गया।
 - * श्रीमती अर्चना पत्नी श्री अरविंद जी (फरौली/इंदिरा नगर, लखनऊ) का असामायिक स्वर्गवास दिनांक 16 अप्रैल 2021 को लखनऊ में हो गया।
 - * श्रीमती शैल चतुर्वेदी पत्नी स्व.श्री राजेन्द्र नाथ चतुर्वेदी (चन्द्रपुर/कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 16 अप्रैल 2021 को कानपुर में हो गया।
 - * श्री पीयूष चंद्र चतुर्वेदी (एडवोकेट) पुत्र स्व० श्री ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी (फिरोजाबाद/इलाहाबाद) का स्वर्गवास दिनांक 16 अप्रैल 2021 को इलाहाबाद में हो गया।
 - * श्री मनीष जी (होलीपुरा/हरदा) पुत्र स्व. ज्ञानेश जी का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 17 अप्रैल 2021 को में हो गया।
 - * श्री गजेंद्र चतुर्वेदी, अधिवक्ता (मथुरा) का स्वर्गवास दिनांक 17 अप्रैल 2021 को मथुरा में हो गया।
 - * श्रीमती आशा चतुर्वेदी पत्नी श्री योगेन्द्र कुमार चतुर्वेदी निवासी बजाजखाना कोटा का निधन दिनांक 17 अप्रैल 2021 को कोटा में हो गया। वे 68 वर्ष की थीं।
 - * श्रीमती मनी पत्नी श्री दीना नाथ पाठक जी (सी. ए.) (मथुरा/मुम्बई) का स्वर्गवास दिनांक 17 अप्रैल 2021 को मुंबई में हो गया।
 - * श्रीमती रेखा चतुर्वेदी पत्नी श्री रुद्र चतुर्वेदी (फिरोजाबाद/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 18 अप्रैल 2021 को लखनऊ में हो गया।
 - * श्री उमेश चतुर्वेदी (बसुआ गोविंदपुर/जयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 18 अप्रैल 2021 को जयपुर में हो गया।
 - * श्रीमती आशा चतुर्वेदी पत्नी श्री विजय शंकर जी (करंटी/कानपुर) अध्यक्ष, कानपुर सभा का स्वर्गवास दिनांक 19 अप्रैल 2021 को कानपुर में हो गया।
 - * श्री त्रिलोकी नाथ जी (छोटे साहब) आगरा का स्वर्गवास 19 अप्रैल 2021 को हो गया।
 - * श्री हरेश चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री उमाशंकर चतुर्वेदी (बछोल कक्का) (चन्द्रपुर/ लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 20 अप्रैल 2021 को दिल्ली में हो गया।
 - * श्री कृष्ण चंद्र चतुर्वेदी पुत्र स्व.शरवत पंडित राम स्वरूप चतुर्वेदी जी (मैनपुरी/लखनऊ) का स्वर्गवास 20 अप्रैल 2021 को आगरा में हो गया। आप उ०प्र० सचिवालय में वित्त विभाग से सेवानिवृत्ति के उपरान्त भी वे सांख्यिकीय व वित्तीय संसाधनों की अपनी विशेषज्ञता के कारण लगभग 19 वर्ष तक वित्त विभाग में ही कार्य करते रहे।
 - * श्री योगेंद्र नाथ चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. श्री रतन नाथ चतुर्वेदी (कोठी केशत जसवंत नगर) का स्वर्गवास दिनांक 20 अप्रैल 2021 को हो गया।
 - * श्री प्रवीणकुमार (कुक्कू) पुत्र स्वर्गीय श्री रघुवर दयाल चतुर्वेदी (पुरा/ बनारस) का स्वर्गवास दिनांक 20 अप्रैल 2021 को हो गया।
 - * श्री प्रशान्त चतुर्वेदी (अप्पू) पुत्र चंद्रशेखर चतुर्वेदी (पुरा/रामगढ़) का दिनांक 20 अप्रैल 2021 को स्वर्गवास लगभग 36 वर्ष की उम्र में हो गया।
 - * श्री उमेश चंद्र चतुर्वेदी (मैनपुरी/ गाजियाबाद) का स्वर्गवास 93 वर्ष की आयु में 21 अप्रैल 2021 को गाजियाबाद में हो गया।
 - * श्री संजय चतुर्वेदी पुत्र गनपति चतुर्वेदी (तालगांव/राउरकेला, उड़ीसा) का स्वर्गवास दिनांक 21 अप्रैल 2021 को बेलगाँव में हो गया।
 - * श्रीमती मन्जू मिश्रा पत्नी श्री अनिल मिश्रा (चन्द्रपुर/ झिलमिल कॉलोनी, दिल्ली) का स्वर्गवास दिनांक 21 अप्रैल 2021 को दिल्ली में हो गया है।
 - * श्री कमलाकर चतुर्वेदी पुत्र स्वर्गीय श्री रामनारायण चतुर्वेदी (कमतरी/आगरा) का स्वर्गवास दिनांक 21 अप्रैल 2021 को आगरा में हो गया।
 - * श्रीमती मंजू चतुर्वेदी पत्नी स्व. कोमल चन्द्र जी चतुर्वेदी (होलीपुरा/आगरा) का स्वर्गवास 21 अप्रैल 2021 को हो गया। आप ललित चतुर्वेदी (आगरा) अध्यक्ष, आगरा सभा की माताजी थीं।
 - * श्री भरत चतुर्वेदी (ग्वालियर/भरतपुर/नौयडा) का स्वर्गवास 70 वर्ष की आयु में दिनांक 21 अप्रैल 2021 को नौयडा में हो गया।
 - * श्रीमती विनीता चतुर्वेदी पत्नी श्री मनोज कुमार चतुर्वेदी (तरसोखर/कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 21 अप्रैल 2021 को कानपुर में हो गया।
 - * श्रीमती माधुरी पत्नी स्व. धीरेन्द्र दरोगा (मथुरा/लखनऊ) का स्वर्गवास 75 वर्ष की आयु में दिनांक 22 अप्रैल 2021 को लखनऊ में हो गया।
 - * श्री हरिशंकर चतुर्वेदी सुपुत्र स्व.श्री मूलचंद्र जी चतुर्वेदी (चौधरियावास/भीलवाड़ा) का स्वर्गवास दिनांक 22 अप्रैल 2021 को भीलवाड़ा में हो गया।
 - * श्रीमती रजनी चतुर्वेदी पत्नी श्री अशोक चतुर्वेदी (फिरोजाबाद) का स्वर्गवास दिनांक 24 अप्रैल 2021 को फिरोजाबाद में हो गया।
 - * श्री नरोत्तम दास जी (श्री राम जी) (गाजियाबाद शाखा सभा के संरक्षक) मैनपुरी का स्वर्गवास लगभग 88 वर्ष की आयु में दिनांक 25 अप्रैल 2021 को अपने छोटे बेटे रत्नेश जी के पास वैशाली गाजियाबाद में हो गया।
 - * श्री सुधीर चतुर्वेदी (नोएडा), पूर्व उपसभापति व वर्तमान स्थाई आमंत्रित सदस्य, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का स्वर्गवास 25 अप्रैल 2021 को नोएडा में हो गया।
 - * श्री भूपेंद्र चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. श्री छदामी लाल चतुर्वेदी (चंद्रपुर/आगरा), विशेष आमंत्रित सदस्य, श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा का स्वर्गवास दिनांक 25 अप्रैल 2021 को आगरा में हो गया।
 - * श्री राकेश चतुर्वेदी (जहाँगीरपुर/जयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 25 अप्रैल 2021 को दिल्ली में हो गया।
 - * डॉ. श्री मनोजकुमार चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री लक्ष्मीचन्द्र चतुर्वेदी निवासी करौली का असामायिक और आकस्मिक निधन मात्र 41 वर्ष की उम्र में दिनांक 25 अप्रैल 2021 को करौली में हो गया।
 - * श्री गजेन्द्रकुमार चतुर्वेदी (58) पुत्र स्व. श्री घनश्यामलाल चतुर्वेदी

चतुर्वेदी चन्द्रिका

- (झालावाड़/कोटा) का आकस्मिक निधन दिनांक 25 अप्रैल 2021 को कोटा में हो गया।
- * श्रीमती माला चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय श्री हृदय नाथ चतुर्वेदी (चंद्रपुर/आगरा) का स्वर्गवास दिनांक 26 अप्रैल 2021 को आगरा में हो गया।
 - * डॉ. रुद्र दत्त चतुर्वेदी पुत्र स्व. बनवारी लाल चतुर्वेदी (फिरोजाबाद/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 26 अप्रैल 2021 को लखनऊ में हो गया।
 - * श्रीमती सरोज मिश्रा पत्नी स्व. विश्वनाथ मिश्रा का स्वर्गवास दिनांक 26 अप्रैल 2021 को कानपुर में हो गया वे अतुल मिश्र (उपाध्यक्ष, चतुर्वेदी सभा कानपुर) की माँ थी।
 - * सुश्री नेहा चतुर्वेदी सुपुत्री श्री श्रीकांत जी (रामपुर कला/ ग्वालियर) का स्वर्गवास दिनांक 27 अप्रैल 2021 को ग्वालियर में हो गया।
 - * श्री पी.सी. चतुर्वेदी (कछपुरा/गुरुग्राम) का स्वर्गवास दिनांक 27 अप्रैल 2021 को अपने पुत्र सचिन के पास गुरुग्राम में हो गया।
 - * श्रीमती सुमन चतुर्वेदी (इटवा/आगरा) पत्नी स्व० श्री रूपकिशोर जी का निधन दिनांक 24 अप्रैल 2021 को हो गया।
 - * श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी पत्नी स्व. चन्द्रकांत चतुर्वेदी निवासी झालरापाटन (राज.) का स्वर्गवास दिनांक 26 अप्रैल 2021 को 68 वर्ष की उम्र में इन्दौर में हो गया।
 - * श्री सुबीर चतुर्वेदी सुपुत्र श्री सुधीर चतुर्वेदी (तरसोखर/कटनी) का आकस्मिक स्वर्गवास आज दिनांक 27 अप्रैल 2021 को 46 वर्ष की अल्पायु में कटनी में हो गया।
 - * श्री उमेशचन्द्र पांडे (होलीपुरा/कोटा) का स्वर्गवास दिनांक 27 अप्रैल 2021 को अपने पुत्र श्री गिरीश पांडे के निवास पर कोटा में हो गया। वे 87 वर्ष के थे।
 - * श्रीमती शीला चतुर्वेदी जी पत्नी स्वर्गीय श्री ज्योति प्रसाद जी चतुर्वेदी (मथुरा/ गुरुग्राम) का स्वर्गवास दिनांक 27 अप्रैल 2021 को गुरुग्राम में हो गया है।
 - * श्रीमती अवधेश चतुर्वेदी पत्नी श्री चंद्रशेखर चतुर्वेदी (रामगढ़/रांची) का हृदय आघात से दिनांक 27 अप्रैल 2021 निधन हो गया।
 - * श्री शुभम चतुर्वेदी पुत्र श्री विपिन चतुर्वेदी (सिकंदरपुर/आगरा) का असामयिक निधन 34 वर्ष की अल्पायु में दिनांक 28 अप्रैल 2021 को हो गया।
 - * श्री रोहित पुत्र श्री रविकांत उम्र ४२ वर्ष (मैनपुरी/जबलपुर) का स्वर्गवास फरीदाबाद में दिनांक 28 अप्रैल 2021 को हो गया।
 - * श्री मनोरंजन चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री केदार चतुर्वेदी (मथुरा/गुरुग्राम) अध्यक्ष, श्री माथुर चतुर्वेदी सभा गुरुग्राम का स्वर्गवास दिनांक 28 अप्रैल 2021 को गुरुग्राम को हो गया।
 - * श्री गोपेश्वर चतुर्वेदी 'जसवंत राव' पुत्र स्व. दुली चंद्र (तरसोखर/इंदौर) का स्वर्गवास 83 वर्ष की आयु में दिनांक 29 अप्रैल 2021 को हो गया। आप महासभा का.का. सदस्य श्री अम्बर पांडे जी, भोपाल के ससुर हैं।
 - * श्री पद्माकर मिश्रा (रवि) पुत्र स्व. मधुसूदन मिश्रा (चंद्रपुर/आगरा) का स्वर्गवास दिनांक 29 अप्रैल 2021 की रात्री को हो गया।
 - * श्रीमती सरिता पत्नी श्री चन्द्रेश चतुर्वेदी निवासी मिश्रा की पीपली चित्तोड़गढ़ का असामयिक निधन दिनांक 29 अप्रैल 2021 को हो गया। वे 42 वर्ष की थी।
 - * श्रीमती सुचेता पाण्डेय पत्नी श्री सुधीर जी पाण्डेय (होलीपुरा / रिसड़ा) का स्वर्गवास 29 अप्रैल 2021 को कोलकाता में हो गया।
 - * श्रीमती नर्मदा मिश्रा पत्नी स्व० आनन्द मिश्रा (कानपुर) के स्वर्गवास दिनांक 29 अप्रैल 2021 को कानपुर में हो गया।
 - * श्रीमती सुचित्रा चतुर्वेदी पत्नी स्व. अजय चतुर्वेदी (कमतरा/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 30 अप्रैल 2021 को कोलकाता में हो गया।
 - * श्री प्रद्युम्न कुमार चौबे (पी. के. चौबे), (करहल/कोलकाता), अध्यक्ष, कोलकाता सभा का स्वर्गवास दिनांक 30 अप्रैल 2021 को कोलकाता में हो गया।
 - * श्रीमती साधना पत्नी श्री मुकेश चतुर्वेदी (रामपुरकलाँ/ इन्दौर) का स्वर्गवास 30 अप्रैल 2021 को लगभग 59 वर्ष की आयु में हो गया।
 - * श्रीमती दयारानी चतुर्वेदी (56) पत्नी श्री गजेन्द्रकुमार चतुर्वेदी का असामयिक देहावसान दिनांक 30 अप्रैल 2021 को कोटा में हो गया।
 - * श्री गिरीश चंद्र चतुर्वेदी (फरौली/कासगंज) का स्वर्गवास लगभग 75 वर्ष की आयु में 30 अप्रैल 2021 को हो गया है।
 - * श्रीमती हेमा चतुर्वेदी पत्नी श्री अनुराग चतुर्वेदी (मथुरा/सागर) का स्वर्गवास अभी अभी दिनांक 30 अप्रैल 2021 को भोपाल में हो गया।
 - * श्रीमती संतोष जी पत्नी श्री सतीश चतुर्वेदी का स्वर्गवास अपने पुत्र श्री धनंजय जी (होलीपुरा/नोएडा) के पास दिनांक 30 अप्रैल 2021 की रात हो गया।
 - * श्री महावीर प्रसाद चतुर्वेदी, पुत्र स्व. श्री भंवर जी चतुर्वेदी टोक (राज.) का स्वर्गवास दिनांक 01 मई 2021 टोक में हो गया है। आप 63 वर्ष के थे।
 - * श्रीमती रीता चतुर्वेदी (नाई की मंडी) पुत्री स्वर्गीय श्री महेंद्र नाथ चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 01 मई 2021 को आगरा में हो गया।
 - * श्री संतोष चतुर्वेदी (पारना/आगरा) पुत्र स्व० श्री विजय शंकर चतुर्वेदी का स्वर्गवास 1 मई, 2021 को हो गया।
 - * श्री उपेन्द्र कुमार चतुर्वेदी सुपुत्र स्व० श्री मदन मोहन चतुर्वेदी (होलीपुरा/अहमदाबाद) का असामयिक स्वर्गवास 2 मई, 2021 को आगरा में हो गया।
 - * श्री अभय चतुर्वेदी (भरतपुर, राज.) समाज गौरव (माननीय न्यायाधीश) का स्वर्गवास दिनांक 02 मई 2021 को हो गया। आपको श्री माथुर चतुर्वेदी महासभा द्वारा 9 जून 2019 को जयपुर में सम्मानित किया गया था।
 - * श्री रजनीकांत चतुर्वेदी (मैनपुरी/साहिबाबाद) का स्वर्गवास दिनांक 02 मई 2021 को हो गया।
 - * श्रीमती नविता चतुर्वेदी पत्नी श्री भूषण चतुर्वेदी (फरुखाबाद/मैनपुरी/ दिल्ली) का स्वर्गवास दिनांक 2 मई 2021 को हो गया।
 - * श्रीमती जाधुरी चतुर्वेदी पत्नी श्री सुरेंद्र नाथ चतुर्वेदी (होलीपुरा/लखनऊ) का स्वर्गवास 2 मई 2021 को लखनऊ में हो गया।

चतुर्वेदी चन्द्रिका

- * श्रीमती उर्मिला जी पत्नी स्वर्गीय रोहित मिश्रा (मैनपुरी/ लखनऊ) का स्वर्गवास आज 2 मई 2021 को लखनऊ में हो गया।
- * श्री ज्ञानेन्द्र चौबे(मुन्ना) (तरसोखर/ग्वालियर) का स्वर्गवास दिनांक 2 मई 2021 को ग्वालियर में हो गया।
- * श्री राजेश चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. डॉ. विद्यानाथ चतुर्वेदी (चंद्रपुर/ग्वालियर) का आकस्मिक स्वर्गवास आज दिनांक 03 मई 2021 को ग्वालियर में हो गया।
- * श्रीमती पूर्वी चतुर्वेदी पत्नी श्री प्रफुल्ल चतुर्वेदी (कायमगंज/वाराणसी) का स्वर्गवास 03 मई 2021 को हो गया।
- * श्री सुनील चतुर्वेदी (भरतपुर/नागपुर) का दिनांक 03 मई 2021 को हृदय गति रूक जाने के कारण नागपुर में हो गया। कुछ दिन पूर्व इनकी पत्नी श्रीमती शारदा चतुर्वेदी सुपुत्री स्व. श्री देव कृष्ण चतुर्वेदी (होलीपुरा) का भी स्वर्गवास हो गया।
- * श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी पत्नी स्व.श्री चंद्रशेखर चतुर्वेदी रि. डीवाईएसपी (मैनपुरी/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 03 मई 2021 को अपने पुत्र श्री सलिल चतुर्वेदी,गाजियाबाद के पास हो गया।
- * श्रीमती उषा चतुर्वेदी पत्नी स्व.श्री किशोर कुमार चतुर्वेदी (चंद्रपुर/भोपाल) का स्वर्गवास आज दिनांक 4 मई 2021 को भोपाल में हो गया। आप हरीश जी की माताजी थी।
- * श्री राजीव चतुर्वेदी (गुड्डा) पुत्र स्व० हमेश चतुर्वेदी कमतरी/आगरा का स्वर्गवास 4 मई 2121 को आगरा में हो गया।
- * श्री देवेंद्र नाथ चतुर्वेदी (हिंडौन/भिलाई) का स्वर्गवास दिनांक 04 मई 2021 को देहरादून में लगभग 74 वर्ष की आयु में हो गया।
- * श्री गौरव चतुर्वेदी सुपुत्र श्री अजीत चतुर्वेदी का स्वर्गवास 42 वर्ष की आयु में गुरुग्राम में दिनांक 04 मई 2021 को सुबह हो गया। आप उजागर लाल जी, आगरा के नाती थे।
- * श्री गिरीश चतुर्वेदी पुत्र स्व० श्री उमा शंकर चतुर्वेदी (पिनाहट/आगरा) का 5 मई, 2021 को निधन हो गया।
- * श्रीमती मंजू चतुर्वेदी पत्नी श्री प्रकाश चतुर्वेदी (चौधरियावास, जिला भीलवाड़ा) का स्वर्गवास दिनांक 06 मई 2021 को भीलवाड़ा में हो गया।
- * श्री अम्बरीष चतुर्वेदी पुत्र स्व. मुक्ता प्रसाद जी चतुर्वेदी (चन्दपुर/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 08 मई 2021 को 73 वर्ष की आयु में लखनऊ में हो गया।
- * श्रीमती मधु पत्नी श्री किशन चतुर्वेदी (बटेश्वर/ देहरादून) का स्वर्गवास दिनांक 8 मई 2021 को देहरादून में हो गया।
- * श्री अनिल चतुर्वेदी पुत्र श्री (स्व०)फतेह बहादुर जी, इटावा का स्वर्गवास दिनांक 8 मई 2021 को फिरोजाबाद में हो गया।
- * श्री अतुल चतुर्वेदी सुपुत्र श्री विपिन चतुर्वेदी (तरसोखर/बैंगलोर) का असामायिक स्वर्गवास दिनांक 08 मई 2021 को 46 वर्ष की अल्पायु में बैंगलोर में हो गया। आप महासभा के सभापति डॉ. प्रदीप जी के भांजे हैं।
- * श्रीमती मीना पाण्डेय पत्नी ब्रजेश कुमार पाण्डेय (जयपुर/मैनपुरी) का स्वर्गवास दिनांक 8 मई 2021 को हो गया। ब्रजेश जी, पूर्व सभापति कमलेश पाण्डेय जी के भाई हैं।
- * श्री बनवारी लाल जी चतुर्वेदी, पुत्र स्व. श्री नारायण लाल जी चतुर्वेदी (चौधरियावास, जिला भीलवाड़ा) का दिनांक 08 मई 2021 को जयपुर में निधन हो गया।
- * श्रीमती पुष्पा मिश्रा पत्नी स्व. प्रमोद चन्द्र मिश्रा का स्वर्गवास दिनांक 8 मई 202 को 102 वर्ष की आयु में गुड़गांव में हो गया।
- * श्री प्रेम कुमार चतुर्वेदी स्व. सूर्य प्रकाश चतुर्वेदी (फतेहपुर करखा/कानपुर) का स्वर्गवास 8 मई 2021 को कानपुर में हो गया।
- * श्रीमती सेवती चतुर्वेदी पत्नी स्व० श्री मदन मोहन चतुर्वेदी (होलीपुरा/अहमदाबाद) का देहावसान दिनांक 9 मई, 2021 को हो गया।
- * श्री वासुदेव चतुर्वेदी सुपुत्र स्व.श्री लक्ष्मीनारायण चतुर्वेदी (छोटीसादड़ी/चित्तौड़गढ़/उदयपुर) का स्वर्गवास 82 वर्ष की आयु में दिनांक 09 मई 2021 को उदयपुर में हो गया।
- * श्रीमती सर्वता (सरबती) चतुर्वेदी (कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 09 मई 2021 को हो गया।
- * श्रीमती कांति देवी चतुर्वेदी पत्नी श्री त्रिलोकी नाथ तिवारी (चंदवार/ग्वालियर) का दिनांक 11 मई 2021 को हृदय गति रुकने से स्वर्गवास हो गया है। आप श्री अजय तिवारी तिवारी डिप्टी एसएस ग्वालियर रेलवे स्टेशन की मां थी।
- * श्रीमती ज्योति चतुर्वेदी पत्नी श्री प्रमोद चतुर्वेदी (मथुरा/कोटा) का असामायिक स्वर्गवास दिनांक 11मई 2021 की रात को कोटा में हो गया।
- * श्री अभय चंद्र चतुर्वेदी पुत्र स्व. श्री ज्ञानेन्द्र चंद्र चतुर्वेदी (फ़रीजाबाद/गाज़ियाबाद) का स्वर्गवास 12 मई 2021 को हो गया।
- * श्रीमती विराज कुँवर (कुक्को) पत्नी स्व. ओमकार नाथ जी चतुर्वेदी (फतेहगढ़ जि. फर्रूखाबाद) का स्वर्गवास दिनांक 13 मई 2021 को 85 वर्ष की आयु में हो गया।
- * श्रीमती नीलू चतुर्वेदी पत्नी श्री नीरज चतुर्वेदी (पिनाहट/कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 14 मई 2021 को हो गया।
- * श्री अशोक चतुर्वेदी (फिरोजाबाद) का स्वर्गवास 14 मई 2021 को फिरोजाबाद में हो गया। कुछ दिन पूर्व ही आपकी पत्नी श्रीमती रजनी जी का भी स्वर्गवास हुआ था।
- * श्री सुधीर चन्द चतुर्वेदी पुत्र स्व.श्री उमा शंकर जी (होलीपुरा/सतना) का स्वर्गवास लगभग 74 वर्ष की आयु में 14 मई 2021 को सतना में हो गया।
- * श्रीमती निहारिका चतुर्वेदी पत्नी श्री अनुज चतुर्वेदी (मैनपुरी/लखनऊ) 14 मई 2021 को स्वर्गवास हो गया।
- * श्री अपूर्व चतुर्वेदी जी पुत्र स्वर्गीय श्री अरुण जी - कल्पना जी (अलीगढ़/नोएडा) का असामायिक स्वर्गवास दिनांक 14 मई 2021 को 36 वर्ष की अल्पायु में हो गया।
- * श्रीमती आभा चतुर्वेदी पत्नी श्री सचेन्द्र नाथ चतुर्वेदी (मैनपुरी/आगरा) पुत्री स्व० श्री द्वारका नाथ चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 16 मई 2021 को आगरा में हो गया।
- * श्रीमती प्रेमलता चतुर्वेदी (80) पत्नी स्व. श्री वासुदेवजी चतुर्वेदी (छोटी सादड़ी/ चित्तौड़गढ़/ उदयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 16 मई 2021 को 80 वर्ष की आयु में उदयपुर में हो गया।

चतुर्वेदी चन्द्रिका

- * श्री चन्द्रकान्त चतुर्वेदी (फरौली/कोटा) का स्वर्गवास लगभग 61 वर्ष की आयु में दिनांक 17 मई 2021 को हो गया।
- * श्रीमती कामिनी पत्नी श्री गजेन्द्र नाथ जी (फरौली/मोतीनगर, लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 17 मई 2021 को हो गया। आप सौरभ जी की मां थी।
- * श्रीमती लक्ष्मी देवी चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री भूपेंद्र नाथ चतुर्वेदी (होलीपुरा) का स्वर्गवास दिनांक 17 मई 2021 को होलीपुरा में हो गया।
- * श्रीमती राजदुलारी (दुल्लो) चतुर्वेदी पत्नी स्व. श्री सुरेश चतुर्वेदी (बसुआ गोविंदपुरा/ जयपुर) का स्वर्गवास दिनांक 18 मई 2021 को जयपुर में हो गया।
- * प्रोफेसर प्रफुल्ल चतुर्वेदी पुत्र स्वर्गीय श्री शारदा चरण जी चतुर्वेदी (कायमगंज/बनारस) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बनारस का स्वर्गवास 77 वर्ष की आयु में दिनांक 18 मई 2021 को बनारस में हो गया।
- * श्री कमल मिश्रा सुपुत्र स्व. प्रमोद चन्द्र मिश्रा (मैनपुरी/ग्रेटर नोएडा) का स्वर्गवास 71 वर्ष की आयु में दिनांक 18 मई 2021 को ग्रेटर नोयडा में हो गया।
- * श्री राघव मिश्रा पुत्र स्व. श्री अंशु मिश्रा (मिर्जापुर/जयपुर) का स्वर्गवास आज दिनांक 19 मई 2021 को 37 वर्ष की अल्पायु में जयपुर में हो गया।
- * श्री देवेन्द्र नाथ चतुर्वेदी पुत्र स्व. यज्ञ दत्त जी (करहल /रिसड़ा) का स्वर्गवास लगभग 76 वर्ष की आयु में दिनांक 20 मई 2021 को रिसड़ा में हो गया।
- * श्री मूलचंद चतुर्वेदी, सोतियाना मोहल्ला, मैनपुरी का स्वर्गवास दिनांक 19 मई 2021 को मैनपुरी में हो गया।
- * श्रीमति गीता चतुर्वेदी धर्मपत्नी श्री योगेश चंद्र चतुर्वेदी (आगरा/शाजापुर/भोपाल) का स्वर्गवास दिनांक 22 मई 2021 को शाजापुर में हो गया।
- * श्री सुबोध चतुर्वेदी (बिजकौली/ग्वालियर) का स्वर्गवास दिनांक 22 मई 2021 को ग्वालियर में हो गया।
- * श्रीमती भावना चतुर्वेदी पत्नी श्री समीर चतुर्वेदी, (हरिद्वार/ दिल्ली) का स्वर्गवास दिनांक 22 मई 2021 को दिल्ली में 38 वर्ष की अल्पायु में हो गया। आप स्व. अशोक जी (बिजकौली/दिल्ली) की पुत्री थी।
- * डॉ. राजीव चतुर्वेदी (मथुरा/ग्वालियर) का निधन ग्वालियर में 22 मई 2021 को हो गया।
- * श्रीमती अनिता चतुर्वेदी पत्नी श्री तरुण चतुर्वेदी (पुत्रवधू स्व. श्री दिलीप कुमार जी चतुर्वेदी गुमानपुरा कोटा) कमतरी / हिन्द मोटर का दिनांक 22 मई 2021 को 44 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। (आप कोटा शाखासभा के महासचिव श्री आलोक चतुर्वेदी की भाभी थी)
- * श्रीमती वीना चतुर्वेदी पत्नी श्री सोमेश्वर चन्द्र चतुर्वेदी(कायमगंज/कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 23 मई 2021 को हो गया।
- * श्री अपूर्व चतुर्वेदी (बंटी) पुत्र श्री भूपेंद्र कुमार चतुर्वेदी (चंद्रपुर/इंदौर) का आकस्मिक स्वर्गवास 23 मई 2021 को इंदौर में हो गया।
- * श्रीमति मंजुला चतुर्वेदी (बहनियां) पत्नी स्वर्गीय शरद चतुर्वेदी (मथुरा/ डोर वाले परिवार/नोएडा) का देहावसान 23 मई 2021 को प्रातः नोएडा में हो गया।
- * श्री उमेशचंद्र रावत(65) (सुपुत्र स्व.श्री सुरेशचंद्र रावत अनूपशहर/कोटा) का देहांत दिनांक 24 मई 2021 को हो गया है।
- * श्रीमती साधना चतुर्वेदी पत्नी श्री दिनेश चंद जी चतुर्वेदी (कोटा) पुत्री श्री सुरेंद्र नाथ जी चतुर्वेदी (मथुरा) का स्वर्गवास दिनांक 25 मई 2021 को कोटा में हो गया।
- * श्रीमती उषा चतुर्वेदी ,पत्नी स्व. श्री देवेन्द्र नाथ चतुर्वेदी (करहल/कानपुर) का स्वर्गवास दिनांक 28 मई 2021 को कानपुर में हो गया।
- * श्री अविनाश चतुर्वेदी पुत्र स्व. अनंत राम चतुर्वेदी (नाहटोली /बंगलौर/ग्वालियर) का स्वर्गवास दिनांक 30 मई 2021 को ग्वालियर में हो गया।
- * डा. मनोज चतुर्वेदी (नाहटोली/ग्वालियर/आगरा-फिरोजाबाद) (ऊर्जावान, प्रतिभावान, मृदुभाषी, मिलनसार) का असामायिक स्वर्गवास दिनांक 31 मई 2021 को गुरुग्राम में हो गया।
- * श्रीमती कुसुम चतुर्वेदी पत्नी श्री ओम प्रकाश चतुर्वेदी (उचाढ/ग्वालियर) का स्वर्गवास दिनांक 31 मई 2021 को ग्वालियर में हो गया।
- * श्री रमेश चंद्र चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. उमा शंकर चतुर्वेदी (चक्की वाले, होलीपुरा) का स्वर्गवास 86 वर्ष की आयु में दिनांक 31 मई 2021 को होलीपुरा में हो गया।
- * श्री विनोद चतुर्वेदी (भरतपुर/भोपाल) का स्वर्गवास दिनांक 3 जून 2021 को भोपाल में हो गया।
- * श्री प्रकाश चन्द्र चतुर्वेदी सुपुत्र स्व. ईश्वर चन्द्र चतुर्वेदी (मथुरा) का स्वर्गवास 6 जून 2021 को मथुरा में हो गया।
- * श्रीमती सुधा चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय जगदीश प्रसाद (चन्द्रपुर / आगरा-बल्केश्वर) का 8 जून 2021 को आगरा में निधन हो गया है।
- * श्रीमती सुधा चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय श्री वीरेंद्र नाथ चतुर्वेदी (होलीपुरा) का स्वर्गवास होलीपुरा में दिनांक 08-06-2021 को हो गया।
- * श्री मुकेश जी, पुत्र स्व. श्री मिथलेश जी, होलीपुरा / मुम्बई का 9 जून 2021 को मुम्बई में स्वर्गवास हो गया है।
- * श्रीमती सुधा चतुर्वेदी पत्नी श्री भुवन चतुर्वेदी एडवोकेट (मैनपुरी) का स्वर्गवास आज दिनांक 11 जून 2021 को मैनपुरी में हो गया। आप महासभा कार्यकारिणी सदस्य श्री राहुल चतुर्वेदी (मैनपुरी) की माँ हैं।
- * श्री राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी 'राजे' (मैनपुरी/नोएडा) का स्वर्गवास दिनांक 13.06.21 को नोएडा में हो गया है।
- * श्री अनिल कुमार चतुर्वेदी सुपुत्र श्री अमरनाथ चतुर्वेदी फिरोजाबाद का स्वर्गवास दिनांक 18 जून 2021 को कोलकाता में हो गया।
- * श्री अतुल चतुर्वेदी सुपुत्र श्री स्व. श्री दिनेश चन्द्र चतुर्वेदी (इटावा/लखनऊ) का स्वर्गवास दिनांक 18 जून 2021 को लखनऊ में हो गया।

महासभा एवं चतुर्वेदी चंद्रिका परिवार दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।